वर्ष : 1 अंक : 1-2 जुलाई-दिसंबर, 2021

# उदय-प्रभा

त्रैमासिक वार्तापत्र
(Quarterly Newsletter)

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर ( राज. )

## परामर्श मण्डल

### अध्यक्ष

**प्रो. अमेरिका सिंह**
माननीय कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय

### सदस्य

**प्रो. पी.के. सिंह**
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय

**प्रो. एम.एस. राठौड़**
अधिष्ठाता
स्नातकोत्तर अध्ययन

**प्रो. जी.एस. राठौड़**
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय

**प्रो. सी.आर.सुथार**
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

**प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत**
अधिष्ठाता
छात्र कल्याण

**प्रो. नीरज शर्मा**
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय नॉर्थ कैंपस, बिलोता, राजसमंद

**डॉ. राजश्री चौधरी**
अधिष्ठाता
विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय

**प्रो. सुरेंद्र कटारिया**
समन्वयक, विश्वविद्यालय वार्तापत्र

**श्री सी.आर. देवासी**
कुलसचिव

**श्री डी.एस. राठौड़**
वित्त नियंत्रक

**डॉ. नवीन नंदवाना**
सह आचार्य, हिंदी विभाग

## संपादक मण्डल

**डॉ. नवीन नंदवाना**
प्रधान संपादक

**डॉ. खुशपाल गर्ग**
सह संपादक

**डॉ. दीपिका माली**
सह संपादक

**डॉ. मुरलीधर पालीवाल**
सह संपादक

## आवरण परिकल्पना

**डॉ. दीपिका माली**
सहायक आचार्य, दृश्यकला विभाग

## सहयोग

**श्री दिनेश हरकावत**
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

**श्री दीपक वर्मा**
वरिष्ठ सहायक



## प्रकाशक

**कुलसचिव**
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर-313001 ( राज. )
वेबसाइट : www.mlsu.ac.in, ई-मेल : registrar@mlsu.ac.in

# संदेश

**प्रो. अमेरिका सिंह**
**कुलपति**

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि विश्वविद्यालय में विभिन्न नवाचारों की परंपरा में विश्वविद्यालय की वार्ताओं का त्रैमासिक वार्तापत्र 'उदय-प्रभा' का प्रथम अंक प्रकाशित होने जा रहा है। यह वार्तापत्र इस विश्वविद्यालय का लघुदर्पण होगा जिसके अंतर्गत संपूर्ण विश्वविद्यालय के गौरवपूर्ण कार्यों, महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों, नवाचारों, सामाजिक सरोकारों एवं शैक्षणिक प्रगतियों का लघु प्रतिबिंब देखा जा सकेगा। साथ ही यह विश्वविद्यालय की महत्त्वपूर्ण सूचनाओं का उपयोगी दस्तावेज भी होगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग एवं प्रभाग इसे अपने अभिलेखों के संधारण के रूप में भी उपयोग कर सकेंगे। इस वार्तापत्र का प्रकाशन विश्वविद्यालय की उज्ज्वल कीर्ति को दिग्दिगंत में प्रसारित करने वाला तथा विश्वविद्यालय को अपने गौरवपूर्ण अतीत एवं उपलब्धिपूर्ण वर्तमान से प्रेरणा-प्रकाश देने वाला सिद्ध होगा। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस वार्तापत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय की विविध गतिविधियाँ भी संपूर्ण राष्ट्र के विविध विश्वविद्यालयों और संस्थाओं तक पहुँचेगी और हमारा विश्वविद्यालय प्रदेश और देश में अपनी प्रभा को प्रसारित करेगा। मैं महाकवि जयदेव के निम्नलिखित पद्य से विश्वविद्यालय परिवार के प्रति शुभाशंसा व्यक्त करता हूँ-

वार्ता च कौतुकवती विमला च विद्या, लोकोत्तरः परिमलश्च कुरङ्गनाभेः।
तैलस्य बिन्दुरिव वारिणि दुर्निवारमेतत् त्रयं प्रसरति स्वयमेव लोके।। (प्रसन्नराघवम्,2.2)

अर्थात् कुतूहल उत्पन्न करने वाला समाचार, विमल विद्या और हिरण की नाभि से आनेवाली कस्तूरी की अलौकिक सुगंध, इन तीनों का, पानी में गिरे हुए तेलबिंदु की तरह सहज प्रसार होता है।

'उदय-प्रभा' के इस अंक के प्रकाशन पर मैं संपादक मंडल और इस प्रक्रिया से जुड़े समस्त सदस्यों का अभिनन्दन करता हूँ। मैं सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। वर्ष 2022 सभी के लिए मंगलमय हो, विश्वविद्यालय इस नूतन वर्ष में प्रगति के नए पायदानों की ओर अग्रसर हो, ऐसी कामना करता हूँ।

**प्रो. अमेरिका सिंह**

# संपादक की कलम से.....

माननीय कुलपति के निर्देश और विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता परिषद की बैठक के निर्णयानुसार विश्वविद्यालय के वार्तापत्र के प्रकाशन का निर्णय लिया गया। इस निमित्त एक संपादक मंडल का गठन कर हम सभी साथियों को इसके प्रकाशन का दायित्व देकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने हम सभी पर विश्वास जताया है अतः हम सभी माननीय कुलपति और विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हैं।

वार्तापत्र के इस अंक में जुलाई से दिसंबर, 2021 विशेषतः 10 दिसंबर तक की गतिविधियों को समाहित किया है। विभिन्न विभागों द्वारा प्रेषित समाचारों और गतिविधियों को इसमें जोड़ने का प्रयास रहा है साथ ही जो विभाग और केंद्र इसके लिए अपनी जानकारियाँ नहीं भेज पाए, उनके विभागों और केंद्रों की जानकारियों को संपादक मंडल ने विविध स्रोतों यथा- विश्वविद्यालय के विविध सोशल मीडिया ग्रुप्स आदि से जुटाने का प्रयास कर, उन्हें भी इसमें समाहित करने का प्रयास किया है। इसके बाद भी यदि किसी विभाग की गतिविधियाँ इसमें प्रकाशित न हो पाई हों, तो हमें खेद है।

प्रो. सुरेंद्र कटारिया का सहयोग वार्तापत्र के प्रकाशन की योजना से लेकर इस अंक के प्रकाशन की संपूर्ण प्रक्रिया में निरंतर मिला है अतः संपादक मंडल के सभी सदस्य उनका आभार व्यक्त करते हैं। प्रो. कटारिया की प्रेरणा से ही हम इस वार्तापत्र को आर.एन.आई. से भी पंजीकृत करवाने के लिए प्रयासरत हैं। विश्वविद्यालय ने इस वार्तापत्र के लिए तीन नामों के साथ आवेदन कर रखा है। आवेदित नामों में से प्रथम 'उदय-प्रभा' नाम को आधार बनाते हुए इस अंक को प्रकाशित किया जा रहा है। यदि पंजीकरण में किसी अन्य नाम की स्वीकृति मिलती है तो हम आगे के अंक उस नए नाम के साथ प्रकाशित करेंगे।

इस वार्तापत्र में समाचारों के संकलन का क्रम इस प्रकार निर्धारित किया गया है कि सर्वप्रथम विश्वविद्यालय की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों को स्थान दिया जाए तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के विविध केन्द्रों को स्थान देते हुए फिर संघटक महाविद्यालयों की गतिविधियों को प्रकाशित किया गया है। अधिष्ठाता परिषद की बैठक के निर्णयानुसार इसमें संबद्ध महाविद्यालयों की सूचनाएँ भी प्रकाशित होनी हैं अतः सूचना भेजने वाले केवल एक महाविद्यालय की गतिविधियों को अन्त में स्थान दिया गया है।

आशा है संपादक मण्डल द्वारा तैयार यह प्रथम अंक विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को सार्थक एवं उपयोगी लगेगा। इस अंक के संबंध में और आगामी अंक के लिए सुझाव **mlsunews2021@gmail.com** पर सादर आमंत्रित हैं।

सभी को नववर्ष 2022 की हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएँ।

संपादक मण्डल

# संविधान पार्क, मुख्य द्वार एवं विभिन्न भवनों का लोकार्पण

**अधिकारों एवं कर्तव्यों के संतुलन वाला पवित्र दस्तावेज है संविधान : राज्यपाल श्री कलराज मिश्र**

**संसदीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता की सक्रिय भागीदारी जरूरी : डॉ. सी.पी. जोशी**

**आदिवासी विद्यार्थियों के उन्नयन के लिए बनाई गई हैं परिसर विस्तार की योजनाएँ : कुलपति**

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने दिनांक 26 नवंबर, 2021 को संविधान दिवस के अवसर पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क, मुख्य द्वार एवं विभिन्न भवनों के लोकार्पण के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का संविधान एक दस्तावेज नहीं बल्कि स्वयं एक संस्कृति है। यह हमारी उदात्त भारतीय परंपराओं को व्याख्यायित करता है। हमारा संविधान अधिकारों एवं कर्तव्यों के संतुलन वाला पवित्र दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि संविधान में लोक कल्याण की बात प्रमुखता से कही गई है क्योंकि लोक कल्याण में ही सबका हित है। इसकी प्रस्तावना दुनिया के तमाम संविधानों की प्रस्तावनाओं में सर्वश्रेष्ठ है। राज्यपाल ने कहा कि अधिकारों की बात सब करते हैं और उसका गलत इस्तेमाल करते हुए अराजकता फैलाने की कोशिश भी करते हैं। ऐसे लोगों को कर्तव्यों की जानकारी नहीं होती। इसलिए मैंने राज्यपाल बनने के बाद सार्वजनिक समारोहों में कर्तव्यों का वाचन शुरू करवाया। संविधान पार्क बनाने की संकल्पना रखी और मुझे प्रसन्नता है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय पहला विश्वविद्यालय बन गया है जिसने कम समय में संविधान पार्क बना दिया। विश्वविद्यालय के परिसर विस्तार की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मेरी शुभकामनाएँ हैं कि यह विश्वविद्यालय बहु-संकायात्मक विश्वविद्यालय बने और विश्व में अपना नाम करे।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र हम सब की आत्मा में बसा है और इसकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। उन्होंने कहा कि भारत एक विविधतापूर्ण परिवेश एवं विविध संस्कृतियों का देश है जिसमें सबके अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। यही संसदीय लोकतंत्र की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में जनता की भागीदारी भी सक्रिय रूप से होनी चाहिए। जनता को चाहिए कि वे मत देकर 5 साल तक भूले नहीं बल्कि जिस को वोट दिया है, वह सही काम कर रहा है या नहीं कर रहा है, उस पर भी पूरी नजर रखें, तभी लोकतंत्र मजबूत बन पाएगा। डॉ. जोशी ने कहा कि हर विषय पर डिबेट और डिस्कस होना चाहिए। हम अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी समुचित ध्यान रखें तो संसदीय लोकतंत्र मजबूत हो पाएगा।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री उदयलाल आंजना ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति ऊर्जावान हैं और विधानसभा अध्यक्ष का उनको साथ मिला है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर होगा। उदयपुर सांसद श्री अर्जुन लाल मीणा ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने राजसमंद जिले के आदिवासियों को टीएसपी में शामिल करने की जो मांग रखी है, मैं उसका समर्थन करता हूँ और इस संबंध में अगर राज्य सरकार प्रस्ताव भेजती है तो मैं केंद्र में उसे आगे बढ़ाने एवं उस पर अमल लाने के लिए पूरा प्रयास करूँगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए पिछले 1 वर्ष की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उनके विश्वविद्यालय में 2 लाख छात्र पढ़ते हैं लेकिन आदिवासी

क्षेत्र के विद्यार्थियों को दूरस्थ इलाकों में रहने के कारण लाभ नहीं मिल पाता। वे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। उन्हीं के लिए परिसर विस्तार की योजनाएँ बनाई गई हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की आदिवासी मिलाप योजना भी इसी का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई विश्वविद्यालयों से आपसी सहयोग की बातचीत चल रही है जो भी सहयोग मिलेगा उसको सबसे पहले आदिवासी क्षेत्र में पहुँचाने की कोशिश की जाएगी।

इस अवसर पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अब तक के इतिहास पर प्रकाशित महत्त्वपूर्ण ग्रंथ का राज्यपाल द्वारा लोकार्पण किया गया। अंत में सामाजिक विज्ञान संकाय के अध्यक्ष एवं इतिहास ग्रंथ के प्रधान संपादक प्रो. एस.के. कटारिया ने धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा, पुलिस अधीक्षक मनोज चौधरी, एम.बी.एम. विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. अजय शर्मा, बी.एन. विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप सिंह सिंगोली, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# विश्वविद्यालय के इतिहास ग्रंथ का विमोचन

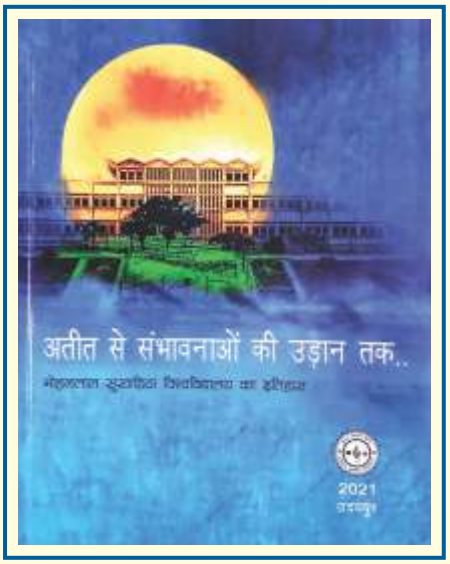


मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की 60 वर्षीय यात्रा को अभिलेख के रूप में प्रस्तुत करने के लिए माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से 'अतीत से संभावनाओं की उड़ान तक' शीर्षक से विश्वविद्यालय का इतिहास लिखा गया, जिसका विमोचन दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को माननीय कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र, माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के द्वारा किया गया। इस पुस्तक में विश्वविद्यालय की स्थापना, विकासक्रम, अकादमिक एवं अन्य उपलब्धियाँ, समय-समय पर हुए विविध संशोधन, आधारभूत संरचना तथा विश्वविद्यालय की गरिमा, उन्नति और उत्कर्ष से जुड़े विभिन्न पक्षों को 480 बहुरंगीय पृष्ठों पर आर्ट पेपर पर प्रकाशित करवाया गया है। इस कृति के मुख्य संपादक प्रो. एस.के. कटारिया, सह संपादक प्रो. नीरज शर्मा एवं सहायक संपादक डॉ. नवीन नंदवाना, डॉ. हरीश, डॉ. सचिन गुप्ता, डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. मुरलीधर पालीवाल तथा शिल्पी तंवर हैं। पुस्तक का पीडीएफ प्रारूप विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा हार्ड प्रति मुख्य स्टोर से रुपये 500 देकर प्राप्त की जा सकती है।

# बिलोता में श्रीनाथजी पीठ : सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भूमिपूजन एवं शिलान्यास

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने दिनांक 25 नवंबर, 2021 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नए विस्तारित परिसर के रूप में 'श्रीनाथजी पीठ : सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। यह परिसर प्रसिद्ध वैष्णवतीर्थ नाथद्वारा के पास स्थित बिलोता गाँव में 24 एकड़ भूमि पर बन रहा है, जो कि विश्वविद्यालय के नार्थ कैम्पस के तौर पर जाना जाएगा।

बिलोता में श्रीनाथजी पीठ : सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कहा कि आज के दौर में नवाचार के माध्यम से कौशल विकास किया जाए तो शिक्षा सीधे रोजगार से जुड़ जाएगी। विद्यार्थियों के लिए भविष्य के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा में अकादमिक कार्यों के साथ ही संस्थागत विकास और विस्तार भी बहुत जरूरी है और इस परिसर का विस्तार इसी का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने अधीन ऐसे केंद्र विकसित करें, जो युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण करते हो क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का निर्माण करती है। राज्यपाल ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में नए शोध और विश्वस्तरीय नवाचारों के लिए भी चिंतन करना चाहिए। उसी के जरिए हम शिक्षा के नए सोपान तय करेंगे। महिला महाविद्यालय खोलने की बात पर राज्यपाल ने प्रसन्नता जाहिर की। राज्यपाल ने कहा कि नाथद्वारा अब तक एक धार्मिक तीर्थ के रूप में जाना जाता रहा है लेकिन यहाँ विश्वविद्यालय में नई पीढ़ी के लिए संस्कृत और वाङ्मय की शिक्षा शुरू होने के बाद यह एक ज्ञानतीर्थ के रूप में भी पहचाना जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि आज एजुकेशन में एक्सटेंशन के बारे में सोचने व चिंतन करने का समय आ गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और कई नए विषयों के बारे में ग्रामीण युवाओं और खेतीहर लोगों को भी बताना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनता आज भी नए विषयों एवं नई जानकारियों से वंचित रहती है, उनके लिए भी सरल जानकारीपरक पाठ्यक्रम तैयार किए जाएँ। उन्होंने महामारी के दौर में ऑनलाइन पढ़ाई की चर्चा करते हुए कहा कि महामारी के पूर्व और महामारी के बाद शिक्षा की एक नई तस्वीर खड़ी होगी लेकिन इसके बीच जो खाई पैदा हुई है उसको क्वांटम जंप के जरिए ही भरा जा सकता है और स्किल डेवलपमेंट इसी का एक हिस्सा है। जोशी ने कहा कि नाथद्वारा क्षेत्र में भी बड़ा आदिवासी समाज है लेकिन आज तक उन्हें टीएसपी का लाभ नहीं मिल पाया। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि इस क्षेत्र के आदिवासियों को भी टीएसपी क्षेत्र का लाभ दिया जाए ताकि उनके लिए रोजगार का नया सृजन हो सके, साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा कि ऐसे स्किल सेंटर खोले जाए जो खेतीहर किसानों की सप्लीमेंट्री इनकम को बढ़ाती हो।

'श्रीनाथजी पीठ : सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का शिलान्यास वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विद्वान पंडितों के सान्निध्य में विधि-विधान से पूजन के साथ सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज जिस परिसर का उद्घाटन हुआ है इसमें विभिन्न प्रकार के नवाचारों से युक्त रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएँगे। वल्लभ दर्शन, मंदिर प्रबंधन, हवेली संगीत, पिछवाई कला, ज्योतिष सहित भागवत् दर्शन के कई कोर्स संचालित होंगे। उन्होंने बताया कि यहाँ एक श्रीनाथ गैलरी भी बनाई जाएगी, साथ ही वल्लभ दर्शन पर आधारित लाइव-शो भी शुरू किया जाएगा। यहाँ कौशल विकास केंद्र भी खोला जाएगा जिसमें करीब 25 रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। कुलपति ने घोषणा की कि इस नए कैम्पस की शुरुआत अगले साल जुलाई में कर दी जाएगी।

कार्यक्रम में मेवाड़ राजघराने के महाराजकुमार लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने कहा कि देश में बालिका शिक्षा की शुरुआत सबसे पहले 150 वर्ष पूर्व मेवाड़ में ही हुई थी और आज यहीं पर विश्वविद्यालय के नए परिसर का शिलान्यास होना गौरव और उपलब्धि की बात है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शिक्षा के बल पर ही भारत नई महाशक्ति बनेगा।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह यादव ने विश्वविद्यालय के नए परिसर के शिलान्यास पर सभी को बधाई देते हुए

कहा कि यह गौरव का विषय है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय निरंतर नवाचार कर रहा है। सहकारिता मंत्री श्री उदयलाल आंजना ने कहा कि बिलोता में परिसर विस्तार विश्वविद्यालय के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में श्रीनाथ जी मंदिर मण्डल के प्रमुख सुधाकर शास्त्री ने प्रसाद और उपरने से सभी का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार सी.आर. देवासी ने मौजूद अतिथियों को पुष्प भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

# विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में गर्ल्स कॉलेज की लगाई नींव

विश्वविद्यालय के नाथद्वारा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 08 पर बिलोता में बनने जा रहे नॉर्थ कैंपस में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय गर्ल्स कॉलेज का भूमिपूजन किया और नींव रखी। हाल ही में 25 नवंबर को राज्य सरकार द्वारा आवंटित भूमि पर राज्यपाल और कुलाधिपति ने परिसर का शिलान्यास किया था। इसी मौके पर अपने उद्बोधन में कुलपति ने गर्ल्स कॉलेज आगामी सत्र से संचालित करने की बात कही थी। साईट प्लान के हिसाब से यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज की जगह चिह्नित करके दिनांक 01 दिसंबर, 2021 को भवन की विधिवत् नींव लगाई गई। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह परिसर न्यूनतम लागत में तैयार किया जाएगा और इसे समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

आगामी सत्र में यहाँ विज्ञान संकाय में प्रथम वर्ष की कक्षाएँ शुरू कर दी जाएँगी और योजना के अनुसार निर्माण कार्य जारी रहेगा। इस अवसर पर उत्तरी परिसर के अधिष्ठाता प्रो. नीरज शर्मा, विश्वविद्यालय अभियंता राकेश जैन, आर्किटेक्ट राहुल दहिया, एच. काजी, पं. योगेश पालीवाल, पं. रवि सुखवाल और स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

# समारोहपूर्वक मनाया गया विश्वविद्यालय का 60वाँ स्थापना दिवस

## 'छह दशक के इतिहास का विस्तृत प्रस्तुतीकरण'

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का 60वाँ स्थापना दिवस 12 जुलाई, 2021 सोमवार को बप्पा रावल स्वर्ण जयंती सभागार में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से समारोहपूर्वक आयोजित हुआ। छह दशक की यात्रा की प्रस्तुति के साथ विविध संगीत प्रस्तुतियों व टीकाकरण शिविर के माध्यम से स्थापना दिवस पर दिन भर कई आयोजन हुए।

कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि यह बेहद गर्व का क्षण है कि आज हम 60वाँ स्थापना दिवस मना रहे हैं। उन्होंने अपने एक साल के कार्यकाल की विशद उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वे इस विश्वविद्यालय को देश के सर्वोच्च विश्वविद्यालयों में शामिल करने के प्रति कृतसंकल्पित हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि वे कोरोना काल के बावजूद लगातार शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन को प्रोत्साहित करते रहे हैं।

विश्वविद्यालय के इतिहास ग्रंथ के संपादक प्रो. सुरेंद्र कटारिया ने विश्वविद्यालय के छह दशक के इतिहास का विस्तृत प्रजेंटेशन दिया। एक घंटे की इस प्रस्तुति में तथ्यात्मक और सचित्र जानकारियाँ साझा की गई। पद्मश्री श्यामसुंदर पालीवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय बहुत ही शानदार नवाचार कर रहा है, इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को बधाई देता हूँ। इस अवसर पर राजस्थान उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. दरियाव सिंह चुंडावत ने विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों का जिक्र करते हुए कहा कि आज गर्व का विषय है कि नवाचारों और शानदार कामकाज के कारण मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय प्रदेश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है। विश्वविद्यालय के पहले पीएच.डी. धारक डॉ के.एल. कोठारी ने कहा कि विश्वविद्यालय की विकास यात्रा देखकर अभिभूत हूँ।

इस अवसर पर गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उन्होंने इस विश्वविद्यालय में छात्र से लेकर कुलपति तक का सफर किया। एम. डी.एस. विश्वविद्यालय अजमेर के पूर्व कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने विश्वविद्यालय के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एक रंगमंच है जहाँ छात्र और शिक्षकों को अपनी संपूर्ण क्षमताओं को निखारने के अनेकानेक अवसर मिलते हैं। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. प्रेमसुमन जैन ने अपने निजी पुस्तकालय से एक हजार पुस्तकें विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में प्रदान करने की घोषणा की। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक दलपत सिंह राठौड़ ने स्थापना दिवस पर अपनी शुभकामनाएँ दी।

स्थापना दिवस के अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय में रेड रिबन क्लब के तत्त्वावधान में एवं डॉ. पी.एस. राजपूत के संयोजन में कोविड टीकाकरण का आयोजन भी हुआ। इसमें 400 से अधिक लोगों को कोवेक्सिन की पहली और दूसरी खुराक दी गई।

# प्रो. अमेरिका सिंह की उपलब्धियों से भरा एक साल : बेमिसाल

## कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के एक साल के कार्यकाल पर सघन पौधारोपण एवं टीकाकरण में दिखा उत्साह

अपने मधुर व्यवहार और आत्मीयता से मिलने के हुनर से आमजन को अनायास ही आकर्षित करने वाले तथा नवाचार और अपनी कार्यशैली से प्रदेश के उच्च शिक्षा में पहचान बनाने वाले कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का पिछला एक वर्ष का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा रहा है। उनके एक वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने की खुशी में विश्वविद्यालय प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और शुभचिंतकों के द्वारा बधाई देने का सिलसिला निरंतर जारी रहा।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के एक वर्ष के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में 22 जुलाई, 2021, गुरुवार सुबह कुलपति निवास एवं उसके आसपास सघन पौधारोपण किया गया। नगर निगम के पार्षद एवं विश्वविद्यालय के पूर्व अनुभाग अधिकारी करणमल जारोली के सौजन्य से उनकी स्वर्गीय धर्मपत्नी शीला जारोली की स्मृति में यह आयोजन उपभोक्ता अधिकार संगठन, राजस्थान प्रदेश के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह, नगर निगम के उपमहापौर पारस सिंघवी, नगर निगम आयुक्त हिम्मतसिंह बारहठ, उप वन संरक्षक मुकेश सैनी, उपभोक्ता अधिकार संगठन की प्रदेशाध्यक्ष राजश्री गांधी, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, नेशनल बॉक्सर महक सनाढ्य की मौजूदगी में सघन पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर साइंस कॉलेज के डीन प्रो. घनश्याम सिंह राठौड़, डीन पीजी स्टडीज प्रो. मदन सिंह राठौड़, कॉमर्स कॉलेज के डीन प्रो पी. के. सिंह, कार्यवाहक रजिस्ट्रार व वित्त नियंत्रक दलपत सिंह राठौड़, लॉ कॉलेज की डीन डॉ. राजश्री चौधरी, आर्ट्स कॉलेज के एसोसिएट डीन प्रो. जिनेंद्र जैन, एफएमएस के डायरेक्टर प्रो. हनुमान प्रसाद, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. सी.आर. सुथार, डीएसडब्लू प्रो. पी. एम. यादव, चीफ प्रॉक्टर प्रो. बी.एल. वर्मा, रोटरी क्लब वसुधा की अध्यक्ष सुषमा अरोड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी, विभिन्न संगठनों के सदस्य और जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर गेस्ट हाउस में कोविड टीकाकरण शिविर भी आयोजित हुआ जिसमें लोगों ने उत्साह से कोवेक्सिन के 700 टीके लगवाएँ।

# आदिवासी वर्ग को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए कुलपति ने किया आदिवासी मिलाप योजना का श्रीगणेश

09 अगस्त, 2021 को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय एवं उपभोक्ता अधिकार संगठन के संयुक्त तत्त्वावधान में 2018 आरएएस में चयनित प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

इस कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता हेतु विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आदिवासी मिलाप योजना प्रारंभ करते हुए आधिकारिक तौर पर 28 गाँवों को गोद लेकर उनकी उन्नति हेतु कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश की जनजातीय कला एवं संस्कृति अनूठी है। आदिवासी समुदाय जिस प्रकार प्रकृति से तादात्म्य स्थापित करके अपना जीवन-यापन करते हैं, वह अनुकरणीय है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपभोक्ता अधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन प्रकाश शर्मा रहे। कार्यक्रम संयोजक प्रो. हनुमान प्रसाद, निदेशक, प्रबंध संकाय ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुधा चौधरी ने जल, जंगल, जमीन का महत्त्व बताते हुए आदिवासी अंचल की कर्मठता और संस्कृति को वर्तमान परिप्रेक्ष्य से जोड़ने की बात कही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक दलपत सिंह राठौड़ उपस्थित रहे।

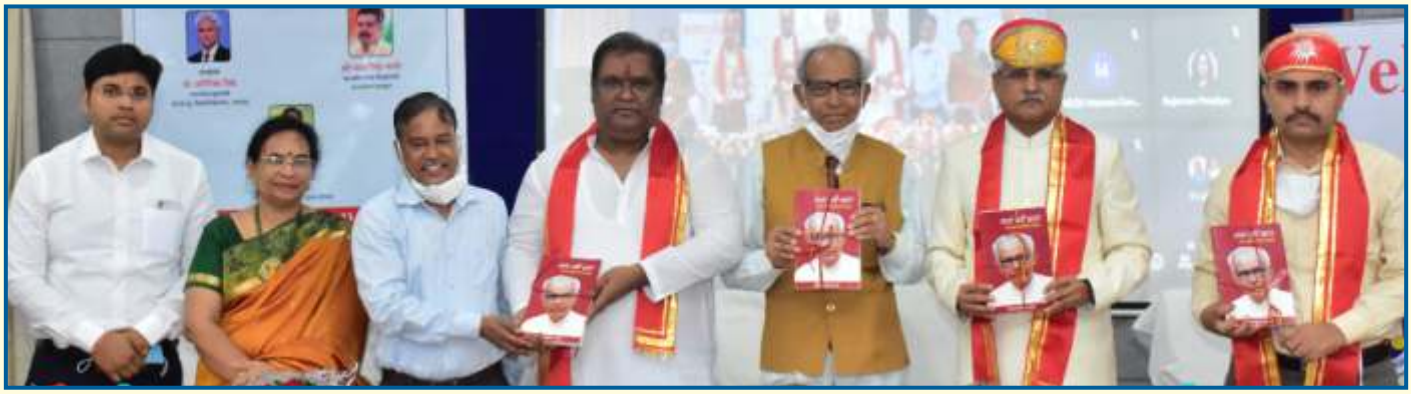

# फेकल्टी ऑफ रिहैबिलिटेशन एंड डिसेबिलिटी के लिए सुविवि और पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के बीच एमओयू

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में फेकल्टी ऑफ रिहैबिलिटेशन एंड डिसेबिलिटी शुरू होने जा रहा है। इसके लिए पेसिफिक मेडिकल कॉलेज भीलों का बेदला पूर्ण सहयोग करेगा। इस संबंध में दोनों संस्थानों के बीच दिनांक 27 सितम्बर, 2021 को एक एमओयू भी किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि फेकल्टी ऑफ रिहैबिलिटेशन एंड डिसेबिलिटी एक महत्त्वपूर्ण विषय है और इसके लिए राष्ट्रीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) का दौरा भी शीघ्र होगा। इस फैकल्टी में कुल 10 पाठ्यक्रम शामिल होंगे जिसमें क्लिनिकल साइकोलॉजी प्रमुख होगा। इस अवसर पर पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के चेयरमेन राहुल अग्रवाल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद कोठारी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि की इस फेकल्टी के शुरू होने से मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय मेडिकल शिक्षा की दिशा में भी अग्रसर होगा।

# विद्यार्थियों में दया या कृपा का भाव नहीं बल्कि आत्मनिर्भर व मनोबल की बढ़ोतरी करेंगे - कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय द्वारा छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए दिनांक 20 अक्टूबर, 2021 को एक ऐतिहासिक निर्णय के आदेश जारी किए गए। इसके अनुसार अब विद्यार्थियों की अंकतालिका पर कृपांक या ग्रेस शब्द नहीं लिखा जाएगा। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि अंकतालिका में कृपांक शब्द अंक तालिका में लिखना विद्यार्थियों के मनोबल को गिराता है तथा इससे उनमें हीन भावना के बीज अंकुरित होने लगते हैं। इस व्यवस्था को पूर्णतया खत्म कर दिया गया है। अब भविष्य में विद्यार्थियों की मार्कशीट में कृपांक शब्द नहीं लिखा जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा यह भी आदेश जारी किया गया है कि यदि किसी विद्यार्थी को प्रथम या द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने में एक अंक की आवश्यकता है तो विश्वविद्यालय उन्हें एक अंक उनकी अंक तालिका में जोड़कर प्रथम श्रेणी या द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण कर अंक तालिका प्रदान करेगा।

# सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के तत्त्वावधान में 24 एवं 25 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय सीईओ कांग्रेस कॉन्फ्रेंस

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में इस वर्ष की अंतरराष्ट्रीय सीईओ कॉन्फ्रेंस मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में अल्फ्रेड नोबेल यूनिवर्सिटी यूक्रेन में आयोजित होगी। विश्वविद्यालय एवं सीईओ कांग्रेस के मध्य इस कॉन्फ्रेंस हेतु एमओयू भी साइन किया जा चुका है। कुलपति महोदय ने बताया कि सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लिए यह बड़े गर्व की बात है कि एक ऐसे कॉन्फ्रेंस का आयोजन का मौका मिल रहा है जिसमें 30 देशों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। यह कॉन्फ्रेंस 24 एवं 25 दिसंबर को आयोजित होगी। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पी.एस. राजपूत ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस अंग्रेजी और तुर्की भाषा में होगी। साथ ही कॉन्फ्रेंस में की–नोट स्पीकर प्रो. शेवकी उसगेनर, प्रो. मोहम्मद शाहबाज, यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज, प्रो. रेमजिक होगें। कॉन्फ्रेंस में प्रो. हिमेट कारडल, प्रो. मेंहमत, प्रो. जिया कवटेलिशविली आदि प्रेसिडेंट ऑफ कांग्रेस होंगे। कॉन्फ्रेंस के रेक्टर, वाणिज्य महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह होंगे एवं इस कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सचिन गुप्ता होंगे। सीईओ कांफ्रेंस का यह तीसरा अधिवेशन है।

# खेल मंत्री ने किया ओपन थिएटर का शुभारंभ

## खुले मंच पर विद्यार्थी अपना हुनर और प्रतिभा अब आसानी से प्रस्तुत कर सकते हैं : प्रो. अमेरिका सिंह

राजस्थान सरकार के खेल मंत्री श्री अशोक चांदना एवं वल्लभनगर विधायक श्रीमती प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत ने विश्वविद्यालय के संविधान पार्क की प्रशंसा की। इन अतिथियों ने विश्वविद्यालय के ओपन थिएटर का उद्घाटन किया गया। प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय के ओपन थिएटर एवं इस पर होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि इस प्रकार के ओपन थिएटर भारत के कुछ प्रमुख विश्वविद्यालयों में ही स्थित हैं। यहाँ पर विश्वविद्यालय के कला, संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। खेल मंत्री ने विश्वविद्यालय के इस प्रकार के नवीन निर्माण की प्रशंसा करते हुए कहा कि कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कुशल नेतृत्व में सुखाड़िया विश्वविद्यालय निश्चित रूप से ही सफलता के नवीन पायदान पर पहुँचेगा। श्रीमती प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत ने संविधान पार्क और ओपन थिएटर के निर्माण कार्यों की प्रशंसा की।

# समारोहपूर्वक मनाया गया 75वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह, 2021

विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह, 2021 वैश्विक महामारी कोरोना-19 की जारी गाइडलाइन के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का महापर्व हम सभी को गौरवान्वित करने वाला है। राष्ट्रनिर्माण हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। हम प्रबुद्ध शिक्षक व छात्रवर्ग राष्ट्र के भवन की नींव की ईंट हैं। इसी नींव के ऊपर आने वाले कल की इमारत खड़ी होगी। इस अवसर पर कुलसचिव सी.आर. देवासी, वित्त नियंत्रक दलपत सिंह राठौड़ सहित विश्वविद्यालय प्रशासन, शैक्षणिक व शिक्षणेतर स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

# सुविवि कुलपति प्रो. सिंह पहुँचे कोलकाता, तकनीकी संस्थानों के प्रमुखों से की मुलाकात

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह विभिन्न अकादमिक कार्यों के सिलसिले में 03 अगस्त, 2021, मंगलवार को कोलकाता पहुँचे जहाँ उन्होंने विभिन्न सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, संगठनों एवं तकनीकी संस्थानों के प्रमुखों से शिष्टाचार भेंट की। शोध अनुसंधान और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए नवाचार और एमओयू पर भी विस्तृत चर्चा की।

# छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय

## सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान–2021

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के तत्त्वावधान में पूर्व मुख्यमंत्री और आधुनिक राजस्थान के निर्माता मोहनलाल सुखाड़िया की जयंती पर स्मृति व्याख्यान दिनांक 31 जुलाई, 2021 को बप्पा रावल स्वर्ण जयंती अतिथि गृह में हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश के राज्य आयुक्त (दिव्यांग जन) डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने कहा कि शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति कभी भी दया का पात्र नहीं होता है बल्कि वह उसके अधिकारों का हकदार होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री राकेशधर त्रिपाठी ने कहा कि दिव्यांग शब्द इनकी प्रतिष्ठा को स्थापित करता है और शब्द के जरिए उनका सम्मान भी करता है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि शीघ्र ही फैकल्टी ऑफ रिहैबिलिटेशन शुरू की जाएगी जो कि दिव्यांग जनों को एकेडमिक क्षेत्र में आगे बढ़ाएगी।

### पौधारोपण

अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में दिनांक 15 अगस्त, 2021 को ध्वजारोहण के पश्चात् पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं कर्मचारियों के द्वारा पौधारोपण किया गया।

# विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल

2 अक्टूबर, 2021 को विश्व अहिंसा दिवस पर योग केंद्र द्वारा 'मोहन से महात्मा की यात्रा में योग की भूमिका : एक संवाद' कार्यक्रम आयोजित हुआ। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के क्रीड़ा मंडल के अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने महात्मा गाँधी द्वारा योग में किए गए प्रयोगों तथा सत्य के प्रयोग की विशेषताओं एवं सत्य पर शोध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता योग केंद्र के समन्वयक डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान ने की।

# विश्वविद्यालय सिखा रहा है शहरवासियों को निःशुल्क योग

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के निर्देश पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय अपने मुख्य कैंपस में विवेकानंद ऑडिटोरियम के बाहर दिनांक 18 अक्टूबर, 2021 से प्रातः 6:00 से 7:00 बजे तक प्रतिदिन निःशुल्क योग सिखा रहा है। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि शहरवासियों एवं मुख्य कैंपस के आसपास रहने वाले निवासियों की यह माँग थी कि विश्वविद्यालय उन्हें योग सिखाएं। इसी क्रम में कुलपति ने इस बात की स्वीकृति दी तथा इसके लिए विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल के योग केंद्र के प्रभारी डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान को समन्वयक बनाया गया।

# ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी (इंटर जोन) महिला हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ऑल इण्डिया इंटर युनिवर्सिटी (इंटर जोन) महिला हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इसमें देश की सर्वश्रेष्ठ 16 विश्वविद्यालयों की महिला हॉकी टीमें भाग लेंगी। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को हम सफलतापूर्वक पूर्ण करेंगे। इसमें कई अन्तरराष्ट्रीय हॉकी महिला खिलाडी शिरकत करेंगी। यह पहला अवसर होगा जब राजस्थान में ऑल इंडिया इंटर जोन महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

कुलपति, प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा महिला वर्ग के इंटर जोन महिला हॉकी की मेजबानी प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय इस प्रकार की खेलों की मेजबानी के लिए सदैव तत्पर है और विश्वविद्यालय में समस्त प्रकार की सुविधाएँ एवं संसाधन उपलब्ध हैं। जल्द ही इसके सफल संचालन हेतु कमेटी का गठन किया जाएगा और विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल समस्त कार्यों को संपादित करेगा।

## योगासन चयन स्पर्द्धा

ब्यूरो/नवज्योति उदयपुर। सुविवि क्रीड़ा मंडल परिसर में स्थित योग केंद्र में मंगलवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय की योगासन पुरुष व महिला टीम की चयन स्पर्द्धा संपन्न हुई। समन्वयक डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि बॉक्सिंग पुरुष महिला टीम के लिए कुल 60 प्रतिभागियों ने स्पर्धा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर क्रीड़ा मंडल अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत, सचिव डॉ. गिरिराज सिंह चौहान, ऑब्जर्वर डॉ हेमराज चौधरी, चयन समिति सदस्य दीपेश वत्स, योगा स्पोर्ट्स फेडरेशन के सचिव राजू सिंह खींची, डॉ.भीमराज पटेल, योग विशेषज्ञ सुरेश पालीवाल, हितेषपाल सिंह, पुष्पदीप प्रजापत आदि उपस्थित रहे।

## सुविवि की बॉक्सिंग पुरुष /महिला टीम की चयन स्पर्धा

उदयपुर। विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल परिसर में स्थित महाराणा सांगा बॉक्सिंग हॉल में सुखाड़िया विश्वविद्यालय की बॉक्सिंग पुरुष महिला टीम की चयन स्पर्धा आयोजित की गई। चयन स्पर्धा के समन्वयक डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि बॉक्सिंग पुरुष महिला टीम के लिए कुल 48 प्रतिभागियों ने स्पर्धा में भाग लिया इस अवसर पर क्रीड़ा मंडल अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत सचिव डॉ. गिरिराज सिंह चौहान ऑब्जर्वर डॉ हेमराज चौधरी चयन समिति सदस्य वर्धमान सिंह नरूका, डॉ.भीमराज पटेल, डॉ.कुलदीप सिंह झाला,बॉक्सिंग एक्सपर्ट जुबेर खान एवं पंकज चौधरी आदि उपस्थित रहे।

# रेड रिबन क्लब

विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा रेड रिबन क्लब की स्थापना दिसम्बर, 2020 में की गई तथा डॉ. पी.एस. राजपूत को रेड रिबन क्लब का समन्वयक नियुक्त किया गया। वर्ष पर्यन्त रेड रिबन क्लब द्वारा किए गए कार्य इस प्रकार है-

### मास्क वितरण

कोरोना अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत रेड रिबन क्लब ने, एन.एस.एस. तथा अन्य सहयोगियों की सहायता से ग्रामीण इलाकों में 1,50,000 से अधिक मास्क, सेनेटाजर व साबुन का वितरण किया। गोद लिए गाँव धार व कैलाशपुरी में कोरोना जागरूकता रैलियाँ, दंत चिकित्सा एवं हेल्थ चेकअप शिविरों का आयोजन किया गया।

### इंटरनेशनल यूथ डे कार्यक्रम

12 अगस्त, 2021 को इंटरनेशनल यूथ डे के उपलक्ष्य में रेड रिबन क्लब द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें पोस्टर मेकिंग कंपटीशन, पेंटिंग कंपटीशन, डिबेट, स्लोगन राइटिंग, टीबी, एड्स अवेयरनेस कार्यक्रम किए गए। रेड रिबन क्लब की विविध गतिविधियों की भव्य कला-दीर्घा का उद्घाटन भी गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। विद्यार्थियों और समाज की जागरूकता हेतु घर-घर चिट्ठी और पोस्ट कार्ड कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। इस कार्यक्रम के तहत एड्स, कोरोना, टीबी, रक्तदान की संदेशमुद्रित एक लाख चिट्ठियाँ और पोस्ट कार्ड भेजे गए। कार्यक्रम में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा एड्स, कोरोना, टीबी, रक्तदान से सम्बन्धित साहित्य विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाया गया।

### पौधारोपण कार्यक्रम

रेड रिबन क्लब द्वारा विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस 12 जुलाई, 2021 तथा 22 जुलाई, 2021 को कुलपति महोदय के 01 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पौधारोपण कार्यक्रम रखा गया। 1 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री की घर-घर औषधि योजना के तहत वार्ड नंबर 48 में 5800 औषधीय पौधों का वितरण किया गया। 15 अगस्त, 2021 को रेड रिबन क्लब द्वारा 1015 पौधों का रोपण विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

## रेड रिबन कक्ष की स्थापना

दिनांक 12 अगस्त, 2021 को रेड रिबन कक्ष का उद्घाटन कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह तथा राज्य सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय रेड रिबन कक्ष की स्थापना करने वाला भारत का दूसरा और राज्य का पहला विश्वविद्यालय बना।

रेड रिबन क्लब कक्ष का उद्घाटन

उदयपुर। सुविवि के सामाजिक एवं मानविकी महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब कक्ष की स्थापना राज्य सरकार द्वारा प्राप्त वित्तीय अनुदान के माध्यम से की गई। इसमें वर्ष पर्यंत आने वाले समय में भारत सरकार के न्यू इंडिया-75 (एट द रेट) कैंपेन के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूक करने वाली योजनाओं को चरितार्थ किया जाएगा। उद्घाटन कार्य क्रम के दौरान भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि डिप्टी डायरेक्टर डॉ प्रदीप चौधरी, यूथ अफेयर निदेशक गरिमा भाटी, नाको दिल्ली से नाहिद मोहम्मद, राजस्थान स्टेट ऐड्स कंट्रोल से सीताराम यादव, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया से नीरज गुप्ता, ध्रुव

## टीकाकरण अभियान

रेड रिबन क्लब द्वारा अभी तक 101 टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें पचास हजार से अधिक लोगों को टीके लगाए गए। एक ही दिन में 4783 लोगों को टीका लगाकर विश्वविद्यालय ने रिकार्ड बनाया। प्रारंभ में रेड रिबन क्लब द्वारा टीकाकरण शिविर तक आने-जाने हेतु बस, कार, टेक्सी की सुविधा भी प्रदान की गई। टीकाकरण की दोनों डोज लगवाने वालों को एक लीटर खाने का तेल भी मुफ्त दिया गया। सभी को टीकाकरण के मुद्रित सर्टिफिकेट भी हाथों-हाथ दिये गए।

## पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड

क्लब द्वारा पौधारोपण किए गए पौधों के लिए, भामाशाहों के सहयोग से पौधों की सुरक्षा के हेतु ट्री-गार्ड लगाए गए।

## रक्तदान शिविर

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से रेड रिबन क्लब द्वारा 26 सितंबर, 2021 को रक्त युवा वाहिनी के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 118 यूनिट रक्तदान किया गया।

## ब्रेस्ट कैंसर एवं हेल्थ चेकअप शिविर

28 अक्टूबर, 2021 को विश्वविद्यालय के गोद लिए गाँव कैलाशपुरी में ब्रेस्ट कैंसर एवं हेल्थ चेक अप शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर की मुफ्त जाँच की गई और ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही स्वास्थ्य से संबंधित अन्य गंभीर बीमारियों के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया।

## रेड रिबन क्लब गीत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के आदेशानुसार विश्वविद्यालय के रेड रिबन क्लब ने एक क्लब गीत तैयार करके राज्य सरकार को भेजा जिसे राज्य सरकार ने भी स्वीकृत करके अनुमोदित किया। अब इस गीत को संपूर्ण राजस्थान के रेड रिबन क्लब के होने वाले कार्यक्रमों के शुभारंभ में बजाया जाएगा।

## जिला स्तरीय कमेटी का आयोजन

दिनांक 11 अगस्त, 2021 को जिला स्तरीय कमेटी का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार क्लब गीत राजस्थान के सभी जिलों के रेड रिबन क्लब के समन्वयकों को उपलब्ध करवाया गया।

## क्विज प्रोग्राम

रेड रिबन क्लब द्वारा क्विज प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें विजेता रहे प्रथम दो छात्रों को राज्य स्तर पर होने वाले क्विज प्रोग्राम में 26 नवंबर, 2021 को जयपुर भेजा गया।

## अनुदान राशि

राज्य सरकार द्वारा रेड रिबन क्लब को 7,25,000/- रुपये की अनुदान राशि वर्ष पर्यंत (2020–21) विभिन्न कार्यक्रमों तथा 75 रेड रिबन क्लब स्थापित करने हेतु प्रदान की गयी। विश्वविद्यालय 75 रेड रिबन क्लब स्थापित कर पूरे राजस्थान का प्रथम विश्वविद्यालय बना।

## कॉल सेंटर

01 दिसम्बर, 2021 से रेड रिबन क्लब द्वारा जिला प्रशासन तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एक कॉल सेंटर

विश्वविद्यालय में चलाया जा रहा है जो टीके की प्रथम खुराक ले चुके लोगों को द्वितीय खुराक लेने हेतु फोन करके प्रोत्साहित और जागरूक कर रहा है।

### अन्य उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय को संस्थागत श्रेणी में 1 अक्टूबर, 2021 को राजस्थान स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल द्वारा सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय को यह सम्मान रेड रिबन क्लब के द्वारा विभिन्न सामाजिक सरोकारों, कोरोना जागरुकता एवं टीकाकरण, मास्क वितरण, एड्स एवं विभिन्न गंभीर बीमारियों के बारे में जागरुकता तथा रक्तदान हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए कार्यों हेतु प्रदान किया गया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय राज्य का पहला विश्वविद्यालय है जिसे संस्थागत स्तर में उसके सामाजिक हितों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए यह सम्मान डॉ. रघु शर्मा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा प्रदान किया गया।

रेड रिबन क्लब, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ. पी.एस. राजपूत को विश्व एड्स दिवस (1 दिसंबर 2021) के अवसर पर राजस्थान एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा व्यक्तिगत श्रेणी में रेड रिबन क्लब के समन्वयक के रूप में किए गए विभिन्न उत्कृष्ट व सामाजिक हित के कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री परसादी लाल मीना द्वारा प्रदान किया गया।

# एन.एस.एस.

## एन.एस.एस. की 5 और इकाइयाँ आवंटित, अब कुल 13 इकाइयाँ हुई

सुखाड़िया विश्वविद्यालय को राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना की पांच और इकाइयाँ आवंटित की गई हैं। इसके साथ ही कुल मिलाकर विश्वविद्यालय में 13 इकाइयाँ हो गई हैं। गत 1 वर्ष में एनएसएस के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से कोविड टीकाकरण के क्षेत्र में एनएसएस के द्वारा उल्लेखनीय योगदान किया गया है।

## विश्व स्तनपान एवं मातृत्व जागरुकता सप्ताह का आयोजन

विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए गाँव कैलाशपुरी में आर्ट्स कॉलेज की एनएसएस यूनिट द्वारा एकेडमी ऑफ वेलबीइंग साइंस, उदयपुर और लायंस क्लब (एलिट), उदयपुर के सहयोग से विश्व स्तनपान एवं मातृत्व जागरुकता सप्ताह के उपलक्ष्य में एक दिवसीय शिविर आयोजन दिनांक 6 अगस्त, 2021 को किया गया। शिविर का आयोजन एनएसएस यूनिट के कॉर्डिनेटर डॉ. डॉली मोगरा और डॉ. मनीष श्रीमाली के निर्देशन में हुआ। विश्वविद्यालय के फैशन टेक्नोलॉजी एवं डिजाइनिंग विभाग की प्रशिक्षु छात्राओं द्वारा विशेष रूप से नवजात शिशुओं के लिए तैयार किए गए 50 आरामदेह ड्रेस तैयार किये गए।

## एन.एस.एस. यूनिट द्वारा एनएसएस दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 24 सितम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज की एनएसएस यूनिट ने कॉलेज गार्डन में पौधे लगाए तथा एनएसएस स्थापना दिवस को पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम में आर्ट्स कॉलेज के डीन प्रो. सी.आर. सुथार और एसोसिएट डीन प्रो. प्रदीप त्रिखा ने भी अपने-अपने नाम का एक पौधा लगाया तथा उस समय एनएसएस वोलेंटियर्स ने पौधे लगाए तथा एक-एक पौधे की जिम्मेदारी स्वयं लेकर देखभाल करने का संकल्प लिया। यह कार्य एनएसएस यूनिट कॉर्डिनेटर डॉ. डॉली मोगरा एवं डॉ. मनीष श्रीमाली के निर्देशन में संपन्न हुआ।

## निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में वाणिज्य महाविद्यालय की एनएसएस की दोनों इकाइयों ने तारा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया। वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह ने बताया कि दिनांक 28 अक्टूबर, 2021 को शिविर में डेढ़ सौ से अधिक ग्राम वासियों का नेत्र परीक्षण किया गया।

एनएसएस अधिकारी डॉ आशा शर्मा और श्री पुष्पराज मीणा ने बताया कि इस शिविर में कैलाशपुरी के ग्राम वासियों को निःशुल्क नेत्र परीक्षण, दवाइयाँ और चश्मे वितरित किए गए तथा मोतियाबिंद की जाँच की गई। कार्यक्रम में एनएसएस संयोजक प्रो. सी.आर सुथार, प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत, चीफ प्रॉक्टर प्रो. बी.एल. वर्मा तथा वाणिज्य महाविद्यालय की एडीएसडब्ल्यू डॉ. शिल्पा वरडिया व अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

# रोवरिंग/रेंजरिंग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की रोवरिंग रेंजरिंग प्रवृत्तियों को विश्वविद्यालय में और ऊँचाई पर पहुँचाने की मंशा और उनके निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय में रोवर क्रू की स्थापना की गई। दिनांक 22 फरवरी को रोवर क्रू द्वारा रोवर लीडर डॉ. खुशपाल गर्ग के नेतृत्व में स्काउटिंग एवं गाइडिंग के संस्थापक-संस्थापिका लॉर्ड बेडेन पावेल एवं उनकी पत्नी एग्नस बेडेन पावेल के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' (Service Day) के रूप में मनाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह जी की मंशानुरूप रोवर क्रू में प्रवेश लेने वाले नए रोवर्स का एक भव्य, विशाल एवं सांकेतिक दीक्षा संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 30 मार्च को राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में रोवर क्रू द्वारा सेवा दिवस मनाया गया। सेवा दिवस के उपलक्ष्य में रोवर क्रू के रोवर्स द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए परिडे बाँधे गए, दाना-पानी रखा गया तथा सार्वजनिक परिसर पर स्वच्छता का कार्य किया। रोवर क्रू के रोवर्स ने लोगों को मास्क बाँटे, गाँव में कोरोना जागरुकता के पोस्टर लगाए, कोरोना जागरुकता फैलाने के लिए हाथ से पोस्टर बनाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को कोविड का टीकाकरण करवाने के लिए जागरूक किया। रोवर क्रू के रोवर्स ने जुलाई माह और सितंबर माह के बीच में विश्वविद्यालय के अतिथि भवन में कोविड टीकाकरण शिविरों में अपनी सेवाएँ प्रदान की। दिनांक 06 से 10 सितम्बर तक रीडमलसर पुरोहितान में आयोजित राज्य स्तरीय रोवर राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में रोवर क्रू के दो रोवर्स गोविंदलाल मेवाड़ा तथा राजूवन जोगी ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

# जनसंख्या अध्ययन केंद्र

## विश्व जनसंख्या दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम

### जनसंख्या घड़ी की शीघ्र होगी स्थापना – प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के जनसंख्या अध्ययन केंद्र के तत्त्वावधान में विश्व जनसंख्या दिवस पर 11 जुलाई, 2021 को कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में पौधारोपण का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर पीआरसी के भविष्य के विजन एवं प्रोजेक्ट का विमोचन भी हुआ। हाल ही में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से पीजी, यूजी एवं अन्य पाठ्यक्रमों को शुरू करने, स्मार्ट क्लासरूम बनाने के लिए पाँच करोड़ का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है। यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। प्रो. सिंह ने कहा कि राष्ट्र एवं प्रदेश की जनसंख्या गणना करने वाली जनसंख्या घड़ी की भी स्थापना शीघ्र की जाएगी। अध्ययन केंद्र की मानद निदेशक प्रो. सीमा जालान ने बताया कि केंद्र को गति देने के लिए विभिन्न प्रकार के नवाचार किए जाएँगे। इसमें 180 शोध प्रस्ताव शामिल हैं।

# महिला अध्ययन केंद्र

## महिला अध्ययन केंद्र का सरोकार समाज से, युवाओं को जागरूक करना अहम कार्य : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के यू.जी.सी. महिला अध्ययन केंद्र के तत्त्वावधान में दिनांक 1 से 7 अगस्त, 2021 तक स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत जागरुकता अभियान, पोस्टर प्रतियोगिता, विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँव में जागरुकता शिविर, सेंटर के इन्फ़र्मेशन एंड डिसेमिनेशन इनिशियेटिव के तहत ई-पोस्टर का सोशल मीडिया पर प्रसारण और संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्तनपान विषय पर समय-समय पर बने पोस्टर्स को हिंदी में अनुवाद किया गया।

इस साप्ताहिक कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह एवं अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार द्वारा पोस्टर्स का विमोचन किया गया। प्रो. अमेरिका सिंह ने समाज में लैंगिक समानता, समुच्चय विकास और संस्थानों में महिलाओं के लिए उचित व्यवस्था बनाने पर ज़ोर दिया।

## महिला अध्ययन केंद्र ने विद्यार्थियों के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा पूरे राष्ट्र में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। यू.जी.सी. के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र में कार्यरत डॉ. गरिमा मिश्रा ने तथा प्रो. प्रतिभा के नेतृत्व में विद्यार्थियों के साथ मिलकर आदिवासी दिवस के दिन दिनांक 09 अगस्त, 2021 को इस उत्सव को मनाया। इस अवसर पर एमडीएस महिला छात्रावास में छात्राओं को योग, प्राणायाम और ध्यान के गुर भी सिखाए गए। वहीं दिनांक 12 अक्टूबर, 2021 को यूजीसी महिला अध्ययन केंद्र एवं चीफ वॉर्डन ऑफिस, यूनिवर्सिटी हॉस्टल्स, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य पर मानसिक स्वास्थ्य विषय के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए एक व्याख्यान एवं एक सप्ताह का योग शिविर का आयोजन किया गया।

# फिनिशिंग स्कूल एवं प्लेसमेंट सेल

विश्वविद्यालय के फिनिशिंग स्कूल एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा 'करियर ऑप्शंस आफ्टर 12th' विषय पर वेबिनार और पैनल डिस्कशन का आयोजन दिनांक 14 जुलाई, 2021 को किया गया। कार्यक्रम में वक्ता, करियर काउंसलर, प्रोफेशनल एजुकेशन सर्विसेज के निदेशक डॉ. राहुल गुप्ता ने बताया कि विद्यार्थी को विषय में रुचि, कौशल, ज्ञान को ध्यान में रखते हुए करियर का चयन करना चाहिए।

सेल के समन्वयक प्रो. अनिल कोठारी ने बताया कि सही विकल्प चुना जाए तो विद्यार्थी निश्चित ही अपने करियर को सही दिशा प्रदान कर सकता है। इस स्कूल के द्वारा कोरोना के संक्रमण काल में मानव संसाधन के समक्ष चुनौतियाँ एवं अवसर विषय पर दिनांक 3 जुलाई, 2021 ऑनलाइन पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पैनेलिस्ट डॉ. जैकब पानिकेर, पुणे, डॉ. आर.पी. सिंह, सुरभि तलेसरा, मंजरी शर्मा, प्रियंका ओस्तवाल आदि उपस्थित थे। पैनलिस्ट ने कोविड-19 में अपने कार्यस्थल से संबंधित चुनौतियों एवं अवसर के बारे में विचार-विमर्श किया।

इसी प्रकार 11 अगस्त, 2021 को "Employment Opportunities Post Covid 19: New Skill Set Required" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. अमरजीत कौर डीन, फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, डायरेक्टर-फॉरेन स्टूडेंटस सेल, गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम ने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति आदरणीय प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से फिनिशिंग स्कूल एंड प्लेसमेंट सेल एवं मनोविज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में पाँच दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप के अंतर्गत करियर चॉइस कैसे की जाए, कॉर्पोरेट व रोजगार से संबंधित तैयारियों के विषय में बताया गया।

जैव तकनीकी विभाग

# विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय

## डॉ. डी.एस. कोठारी जयंती पर हुए विविध आयोजन

विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय में डॉ. डी.एस. कोठारी जयंती पर विविध आयोजन हुए। बायोटेक्नोलॉजी विभाग में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने की। उन्होंने कहा कि प्रो. कोठारी केवल एक शिक्षाविद न होकर युग प्रवर्तक थे। एक वैज्ञानिक के रूप में डॉक्टर कोठारी का योगदान अविस्मरणीय है और सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि वे मूलतः उदयपुर के थे। इस अवसर पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग में स्थित उनकी मूर्ति का जीर्णोद्धार और पार्क के सौंदर्यीकरण से सम्बंधित कार्य भी करवाए गए। प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था के सुधारों हेतु उन्होंने अभूतपूर्व योगदान दिया है। देश व प्रदेश के उच्च शिक्षा जगत में सुधारात्मक नव शिक्षा व्यवस्था के सृजनकर्ता एवं अकादमिक सुधारों के प्रणेता के रूप में उनके द्वारा किए गए अथक प्रयासों ने हमें नई दशा और दिशा प्रदान की है।

वनस्पति विज्ञान

## अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

विश्वविद्यालय के बॉटनी डिपार्टमेंट द्वारा 02 जुलाई, 2021 को वर्तमान में वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. जी. एस. देवड़ा ने बताया कि कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह और विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. जी.एस. राठौड़ के सान्निध्य में संपन्न इस ऑनलाइन कांफ्रेंस के मुख्य वक्ता गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्रो. पुरुषोत्तम कौशिक थे।

उन्होंने अपने उद्बोधन में वैदिक माइक्रोबायोलॉजी पर प्रकाश डाला और बताया कि विज्ञान की गहराइयों को समझने के लिए आधुनिक शोधकर्ताओं को पुराने भारतीय ग्रंथों का गहन अध्ययन करना चाहिए। अमेरिका के प्रो. डेविड न्यूमान ने पौधों में पाए जाने वाले विभिन्न औषधीय मेटाबोलाइट्स की जानकारी दी। सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के प्रो. एस.पी. सिंह ने बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग से क्षारीय मृदा और जल में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. अश्विनी कुमार ने वर्तमान में मौसम परिवर्तन और बायोगैस उत्पादन हेतु रिसर्च की अनेक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। पोलैंड के डॉ. रॉबर्ट पोपेक ने वायुमंडल में मौजूद सूक्ष्म कणों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण को उल्लेखित किया। जोधपुर के प्रो. जी.एस. शेखावत ने विभिन्न वातावरणीय तनावों में हिमऑक्सीजनेस एंजाइम की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. पवन कसेरा थे।

## प्रकृति को बचाना है तो धरातल पर उतरना होगाः प्रो. साहू

विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में 'जलवायु कार्रवाई और आपदा जोखिम और शासन' शीर्षक पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन दिनांक 16 अगस्त, 2021 को किया गया ।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. जी.एस. देवड़ा, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग ने बताया कि मेजर जनरल एम.के. बिंदल, निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली और माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के समर्थन और प्रेरणा ने हमें हमेशा इस तरह के वैज्ञानिक आयोजनों के लिए प्रोत्साहित किया है। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. दीनबंधु साहू, पूर्व कुलपति, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, ओडिशा तथा निदेशक, हिमालयन स्टडी एवं क्लस्टर इनोवेशन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय ने पर्यावरण समृद्धि के लिए 'पर्यावरणीय शिक्षा और समय की माँग' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में प्रो. साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति को बचाना है तो धरातल पर उतरना ही होगा। इस हेतु 'एक विद्यार्थी एक वृक्ष' की महत्ता पर बल दिया।

प्रो. एम.के. पंडित, पूर्व विभागाध्यक्ष, भू-विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने 'जलवायु परिवर्तन : क्या कुछ किया जा सकता है' विषय पर अभिभाषण दिया। प्रो. बी.डब्ल्यू. पांडे, भूगोल विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'हिमालय में जलवायु परिवर्तन हेतु, कार्यों, आपदा, जोखिम और शासन' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के युवा वक्ता श्री पार्था गोगोई ने 'क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन और उसके आयामों पर एक केस स्टडी आधारित विश्लेषण' पर अपना व्यापक शोध कार्य प्रस्तुत किया।

## माईक्रोबायोलॉजी विभाग — अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल कॉन्फ्रेंस

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के माईक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 15 जुलाई, 2021 को 'रिसेन्ट ट्रेंड्स एंड ईनोवेशंन्स इन माईक्रोबायोलॉजी' विषय पर एक दिवसीय वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय कॉफ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉफ्रेंस की शुरुआत माईक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. हर्षदा जोशी द्वारा माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह का संदेश पढ़कर की गई एवं एबस्ट्रेक्ट बुक का विमोचन मुख्य अतिथि प्रो. महीप भटनागर (पूर्व डीन, साइंस कॉलेज) व समग्र अतिथियों की वर्चुअल उपस्थिति में किया गया। कॉफ्रेंस के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. जुगशरण विरडी ने प्रतिसूक्ष्मजैविक प्रतिरोध के निवारण के लिए प्वांइट ऑफ केयर टेस्ट के बारे बताया। अन्य विशेष स्पीकर डॉ. रूपेश कुमार मिश्रा (यू.एस.ए.) रहे।

## फार्मेसी विभाग — शुरू होगा एम.फार्मा. पाठ्यक्रम, 12 सीटें आवंटित

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में इस वर्ष से एम. फार्मा. की पढ़ाई भी होगी। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि पिछले लंबे समय से फार्मेसी में मास्टर की डिग्री शरू करने के लिए प्रयास किए जा रहे थे और इसी क्रम में फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया ने एम. फार्मा. की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

इस सत्र से इसमें 12 सीटें आवंटित की गई है। एम. फार्मा. की पढ़ाई शुरू होने से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज होगा जो विद्यार्थियों के भावी जीवन के लिए उपयोगी साबित होगा।

## फार्मेसी विभाग द्वारा ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा दिनांक 10 जुलाई, 2021 को 'कोविड-19 पेंडेमिक : रोल, रिस्पांसिबिलिटीज एंड चैलेंजेस फॉर फार्मास्यूटिकल रिसर्च, इंडस्ट्री एंड एकेडमिया' विषय पर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह एवं विज्ञान महाविद्यालय के डीन प्रो. जी.एस. राठौड़ के मार्गदर्शन एवं प्रो. सी.पी. जैन की अध्यक्षता में ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी सुल्तान जानल अबीदिन, मलेशिया से प्रो. यू.एस. महादेव राव तथा वक्ता डॉ. तुषार नाहटा, जनरल मैनेजर, फॉर्मूलेशन डेवलपमेंट (पैरंटरल) जायडस कैडिला, अहमदाबाद थे।

## National webinar on National Education Policy 2020 on 9th August 2021

The speaker of the webinar was Prof. Rajesh K. Goel, Director, IQAC, Punjabi University, Patiala said that research and innovation is backbone to get higher rankings especially for the Universities. HOD and convener of the webinar Prof C.P. Jain, Organizing secretory Dr. Vivek Jain and Dr. Joohee Pradhan were present in the webinar.

# एन.आई.आर.एफ. में फार्मेसी विभाग को मिली रेंकिंग

विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग को मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सितंबर, 2021 में जारी नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) द्वारा इंडिया रैंकिंग्स 2021 में 67 वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। इस सूची में जगह बनाने वाला यह विभाग राजस्थान का एकमात्र सरकारी अनुदान प्राप्त विभाग है।

दैनिक भास्कर

सुविवि के फार्मेसी विभाग को एनआईआरएफ रैंकिंग में प्रदेश में तीसरा और देश में 67वां स्थान

शुभ समाचार

उदयपुर | सुविवि के फार्मेसी विभाग

एनआईआरएफ एक प्रतिष्ठित रैंकिंग है, जो विवि के फार्मेसी विभाग का मूल्यांकन करती है, इसके उसके आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर ग्रेडिंग दी जाती है। इसके तहत फार्मेसी विभाग

बिट्स पिलानी पहले और वनस्थली विद्यापीठ दूसरे स्थान पर रहे। कुलपति ने कहा कि यह गर्व का विषय है। यह उपलब्धि विवि के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्नयन की दिशा में मील का पत्थर

## प्राणिशास्त्र विभाग

# एकदिवसीय वेबिनार का आयोजन

विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष पूर्ण होने पर दिनांक 3 अगस्त, 2021 को वर्मी–तकनीकी के द्वारा रोजगार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन रूसा–2.0 के तहत किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थान विद्यापीठ के हॉर्टिकल्चर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद सिंह जोधा थे। कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद ने विभाग द्वारा बहुत ही जल्द प्रारंभ किए जा रहे केरियर हब एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी।

# प्राणिशास्त्र विभाग देगा कराकला के पाँच युवाओं को मुफ्त में प्रशिक्षण

ग्राम पंचायत कराकला एवं विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 09 अगस्त, 2021 को समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कराकला सरपंच उमा कलासुआ ने की। मुख्य अतिथि कालूलाल मीणा, विशिष्ट अतिथि राजेश मीणा एवं रूसा–2.0 के केरियर हब के तहत प्राणिशास्त्र विभाग के शोधार्थी उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद ने प्रकृति के संरक्षण में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए बिरसा मुंडा एवं राणा पूंजा को शब्दांजलि अर्पित की।

# NEP-2020 के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर तीन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित व्याख्यानमाला की शृंखला में 'तीन राष्ट्रीय वेबिनार' आयोजित किए गए। विभागाध्यक्ष एवं वेबिनार शृंखला की समन्वयक प्रो. आरती प्रसाद ने बताया कि माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से आयोजित इस वेबिनार शृंखला में पहला वेबिनार वर्मी–तकनीकी के उपयोग से रोजगार सृजन पर आयोजित किया गया जिसके प्रमुख वक्ता राजस्थान विद्यापीठ के हॉर्टिकल्चर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आनन्द सिंह जोधा थे। इस वेबिनार शृंखला में दूसरा वेबिनार शिक्षा में तकनीकी के उपयोग विषय पर आयोजित हुआ जिसके मुख्य वक्ता एस.एस.जी. विश्वविद्यालय अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ के पर्यावरण विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एम. एम. रँगा थे। इस वेबिनार शृंखला का तीसरा वेबिनार उच्च शिक्षा शोध, रचनात्मकता एवं रैंकिंग विषय पर आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के निदेशक एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 लागू करने के लिए बनी यूजीसी की हाई पावर कमेटी के सदस्य प्रो. करुणेश सक्सेना थे।

# प्राणिशास्त्र विभाग में प्रारंभ हुआ 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान द्वितीय चरण (रूसा–2.0) द्वारा अनुदानित केरियर हब के अंतर्गत निर्मित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम उद्यमिता एवं कौशल विकास केंद्र तथा जनस्वास्थ्य नवाचार एवं उद्भवन केन्द्र तथा कीट विज्ञान की विभिन्न तकनीकों के 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कर–कमलों द्वारा दिनांक 6 दिसम्बर, 2021 को हुआ।

# विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय

## वाणिज्य एवं प्रबंधन के पाठ्यक्रमों में नई शिक्षा नीति के अनुरूप बदलाव

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के कुशल नेतृत्व में वाणिज्य महाविद्यालय में बी.कॉम. एवं एम.कॉम. स्तर पर पाठ्यक्रमों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नया पाठ्यक्रम देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों के समकक्ष होगा तथा इस पाठ्यक्रम में अत्याधुनिक तथा समकालीन विषयों के समावेश से यह छात्रों के करियर निर्माण में एक मील का पत्थर साबित होगा।

वाणिज्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में रोजगार उन्मुख तथा नई शिक्षा नीति के अनुरूप सीखने की प्रवृत्ति को विकसित करने के लिए समकालीन बदलाव किए गए हैं। पाठ्यक्रम प्रथम तौर पर संकाय अध्यक्ष के साथ तीनों विभागों के विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत, प्रो. मंजू बाघमार, प्रो. मुकेश माथुर, प्रो. बीएल वर्मा, प्रो. राजेश्वरी नरेंद्र तथा सभी फैकल्टी मेंबर द्वारा विचार विमर्श के पश्चात मीटिंग में प्रस्तावित किया गया जिसे बाद में एकेडमिक काउंसिल ने भी अपनी मंजूरी दे दी। जिसमें अन्नामलाई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए. सुंदर, उस्मानिया यूनिवर्सिटी के प्रो. वी. अप्पा राव, दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट आगरा के प्रो. के.एल. कोहली तथा जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्रो. के.के. गोयल एक्सपर्ट के तौर पर शामिल थे।

## व्यक्ति को सर्वप्रथम अपने प्रति ईमानदार होना चाहिए : प्रो. जी. सोरल

विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय में 02 अक्टूबर, 2021 को गाँधी जयंती पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के मुख्य संरक्षक प्रो. अमेरिका सिंह थे। वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो. जी. सोरल, अध्यक्ष, भारतीय लेखा परिषद थे तथा अध्यक्षता प्रो. पी. के. सिंह, अधिष्ठाता वाणिज्य महाविद्यालय ने की।

## इंडक्शन कार्यक्रम

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के बी.वॉक. (लेखांकन कराधान एवं अंकेक्षण) के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 29 अक्टूबर, 2021 से दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यार्थियों को महाविद्यालय संकाय सदस्य तथा पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। प्रो. पी.के. सिंह, अधिष्ठाता, वाणिज्य महाविद्यालय ने इस पाठ्यक्रम की महत्ता बताते हुए कहा कि इस पाठ्यक्रम को पूरे भारत में एकमात्र सुखाड़िया विश्वविद्यालय ही चला रहा है।

## विद्यार्थियों का केंपस प्लेसमेंट आयोजित

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के मार्गदर्शन में सुखाड़िया विश्वविद्यालय, वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के बी. वॉक. (लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण) के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का केंपस प्लेसमेंट का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुर्डिया ग्रुप ऑफ कंपनी की ओर से कोऑर्डिनेटर पद के लिए विद्यार्थियों के सलेक्शन की प्रक्रिया की गई। इस दौरान महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह तथा लेखांकन विभाग के अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। बी. वॉक. कोर्स की संयोजक डॉ. आशा शर्मा ने बताया कि इस कोर्स में विद्यार्थियों को टैली सॉफ्टवेयर, एक्सेल, आइटीआर रिटर्न, जीएसटी जैसे विषयों का प्रैक्टिकल अध्ययन करवाया जाता है।

कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

उदयपुर (वि.)। सुखाड़िया विश्वविद्यालय की वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का केंपस

# पौधारोपण अभियान

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के बृहद पौधारोपण अभियान की शृंखला में वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन महाविद्यालय के एनएसएस की दोनों इकाइयों के तत्त्वावधान में तथा अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह की अगवानी में स्टॉफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर्यावरण बचाओ अभियान में वृक्षारोपण किया गया।

## लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग

# प्रो. भाणावत और डॉ. सोनी का अनुसंधान पत्र पुरस्कृत

दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली की ओर से रांची झारखंड में आयोजित सम्मान समारोह में 'इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड 2021' की घोषणा की गई। इसमें मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत तथा डॉ. मोनिका सोनी को संयुक्त रूप से टैक्सेशन श्रेणी में उनके द्वारा लिखित अनुसंधान पत्र 'अकाउंटिंग एंड टैक्सेशन इश्यूज इन कार्बन क्रेडिट ट्रांजेक्शन' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय सर्वश्रेष्ठ पत्र होने के कारण सिल्वर अवार्ड झारखंड के गवर्नर रमेशजी बैस तथा आईसीएआई के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किया गया।

# वित्तीय लेखांकन को नई तकनीक का सहयोग मिलने से लेखांकन नए आयाम स्थापित करेगा : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने बधाई संदेश में बताया कि वित्तीय लेखांकन को नई तकनीक का सहयोग मिलने से लेखांकन निश्चित तौर पर नए आयाम स्थापित करेगा। 13 नवंबर, 2021 को आयोजित इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि रशिया के प्रो. दमित्री यकोवेनको, अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह और विभाग के अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने विचार व्यक्त किए।

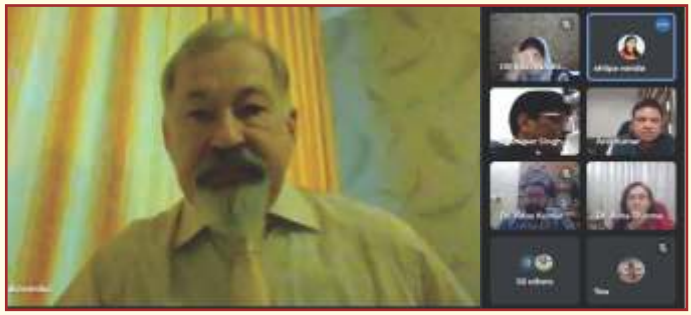

# लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग की वेबिनार संपन्न

विश्वविद्यालय के लेखांकन एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग के तत्त्वावधान में 2 जुलाई, 'लेखांकन, कराधान, अंकेक्षण सम्बंधित समकालीन मुद्दे' पर एक वेबिनार आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता वाणिज्य महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. सिंह ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में बैंकिंग एंड इंश्योरेंस के क्षेत्र में कठोर लेखांकन मानक की आवश्यकता पर जोर दिया। वेबिनार निदेशक प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने बताया कि कॉविड के समय में कंपनियों ने अच्छा लाभ कमाया किंतु लाभों का उपयोग बाय बैक ऑफ शेयर एवं लाभांश बाँटने में कंपनियाँ कर रही हैं किंतु विनियोग नहीं बढ़ रहा है, जो एक गहन चिंता का विषय है।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि जेके पेपर के प्रेसिडेंट सीए ए. एस. मेहता ने बताया कि लेखांकन गबन एवं बेंकक्रप्टसी से मुक्त होने के लिए एक सशक्त प्रारूप तैयार करने की जरूरत है। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता जेवीअर इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट स्टडीज, भुवनेश्वर से प्रो. डी. वी. रमना ने नियामक संपतियों के बारे में बताया। तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बॉम्बे के प्रो. परितोष चंद्रा बासु ने ब्लॉकचेन अकाउंटिंग के विभिन आयामों से अवगत कराया। प्रो. जी. सोरल ने बदलती अंकेक्षकों की भूमिका के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। केरल विश्वविद्यालय के प्रो. गेब्रीयल साइमन थेट्टिल ने बताया कि लेखांकन गणनाओं से कहीं आगे गुणात्मक पहलुओं पर विचार करने का क्षेत्र है। हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन ने शोध के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थान स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल के वाइस चेयरमैन प्रो. डी.एस. चुंडावत ने उद्बोधन दिया। निरमा इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स के डीन प्रो. उदय पालीवाल ने लेखांकन शोध के नवीन आयामों के बारे में जानकारी दी।

# 'कांसेप्चुअल फ्रेमवर्क ऑफ ब्लॉकचेन अकाउंटिंग' विषय पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 27 नबंवर को आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने बधाई संदेश में बताया कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए वित्त लेखांकन का नई तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, क्लाउड कंप्यूटिंग व मशीन लर्निंग के साथ जुड़ाव समय की मांग है।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने बताया कि स्पष्टता एव पारदर्शिता की कमी के चलते ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का जन्म हुआ। संगोष्ठी के निर्देशक तथा विभाग के अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने बताया कि विभाग के कई शिक्षा कार्यक्रमों को रूसा से अनुदान की राशि प्राप्त हो रही है। पिछले दो वर्षों से विभाग को शोध कार्य हेतु आईसीएआई द्वारा पुरस्कृत किया गया है। तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता नैरोबी केन्या के अग्रणी ब्लॉकचेन विशेषज्ञ श्री बेंजामिन अरुंडा ने अपनी राय व्यक्त करते हुए बताया कि यह तकनीक अभी शुरुआती स्तर पर ही है। ब्लॉकचेन तकनीकी वजह से ही दो दूरस्थ स्थानों के मध्य कनेक्शन सुरक्षित हो पाना संभव हुआ है।

तकनीकी सत्र के स्पीकर स्पेन के बार्सिलोना स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की वित्तीय लेखांकन एवं नियंत्रण विभाग की डायरेक्टर डॉ. लूज पैरोंडों ने ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर अपना ज्ञान साझा करते हुए बताया कि इस तकनीक के क्रियान्वयन के बाद एकाउंट्स का काम और भी महत्त्वपूर्ण होने वाला है। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद की प्रो. वी. उषा किरण ने की।

## व्यवसाय प्रशासन विभाग

The Department of Business Administration, MLSU conducted a Virtual International Summit on the topic "Entrepreneurship Development with special focus on Social and Green Entrepreneurship" on September 27, 2021

Dignified speakers, from various countries across the globe participated in the event. Prof. P. K. Singh, Dean, University College of Commerce & Management Studies, Prof. Manju Bhaghmar, Head , Department of Business Administration, Prof. Rajeshwari Narendran and Prof. B. L. Verma graced the event with their presence.

## प्रबंध अध्ययन संकाय

## वेबिनार का आयोजन

विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय में संचालित उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ एवं अटल बिहारी उद्यमिता, लघु उद्योग एवं कौशल विकास केंद्र के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 03 अगस्त, 2021 को नई शिक्षा नीति के एक वर्ष पूर्ण होने पर 'कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार : नई शिक्षा नीति में चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु उद्योग विकास संस्थान (NISBUD) के पूर्व सलाहकार एवं कार्यक्रम निदेशक श्री एच.पी. सिंह ने विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए प्रेरित किया। प्रबंध अध्ययन संकाय के निदेशक एवं प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. हनुमान प्रसाद ने कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के संदेश का वाचन किया। साथ ही उन्होंने कौशल, रोजगार और उद्यमिता का मानव जीवन में महत्त्व विषय पर विचार रखे।

## आज के विद्यार्थी भविष्य के कुशल प्रशासक और प्रबंधक बने : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

प्रबंध अध्ययन संकाय के सभागार में एमबीए के नवागंतुक विद्यार्थियों का इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ 18 अक्टूबर, 2021 को किया गया। निदेशक, प्रो. हनुमान प्रसाद ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदय प्रो. अमेरिका सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें सदैव प्रसन्न रहते हुए शिक्षा में पारंगत होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति के करकमलों से एकेडमिक एसोसिएशन ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट की प्रथम एडिटेड बुक 'कंटेंपरेरी इश्यूज इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट' शोध पुस्तक एवं एंटरप्रेन्योर डेवलपमेंट सेल, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'एंटरप्रेन्योरशिप ड्यूरिंग चैलेंजिंग टाइम' का विमोचन किया गया।

# विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

## Department of English

## मानविकी संकाय

The Department of English organised various academic events during the session 2021-22. This session had been an extremely crucial phase in the journey of the entire human race, ever since the outbreak of Covid-19. The Department of English organised deliberations on the interface between English literature and the Pandemic Covid-19. The Department of English organised a webinar on Interpreting Poetry, which was an interaction with internationally-acclaimed contemporary poets on 20th June, 2021. The objective of the webinar was to impart the skills of interpreting poetry to the scholars and the participants, for which, the famous contemporary-internationally acclaimed poet, Sudip Sen was invited to interact with the participants in the webinar. He spoke about the process of writing poetry and informed the audience about how a poem is the result of a poet's tireless journey replete with own emotions and feelings. Many emerging poets among the participants also shared their experiences and roadblocks in writing poems. Another major objective of the webinar was to train the participants in understanding literary appreciation of poetry, for which, Dr.Amitabh Vikram Dwivedi, Associate Professor, School of Languages & Literature at Shri Mata Vaishno Devi University, Katra, J&K, who is also a well-known poet, was invited to interact with the participants of the webinar in the second session. He reiterated that every poem is a unique creation in itself, hence every poem, first of all, requires deep insightful reading and interest in order to appreciate it. At the end of the webinar, Prof. Pradeep Trikha, Senior Professor of the department shared his views on the subject and Dr. Minakshi Jain, Head of the Department, delivered her concluding remarks.

The area of literature that was not covered in the earlier event was covered through a Two-day National Webinar on Pandemic Literature, which was organized on 24 and 25 July, 2021. The keynote address by Prof. Anisur Rahman, Former Head, Dept. of English, Jamia Millia Islamia Central University, New Delhi, reflected on the need and scope of a new genre 'Pandemic Literature' that shall configure and reconfigure the social, cultural, philosophical, political and literary scenarios and concepts. Prof. Sudha Rai, former Dean, Faculty of Arts and Head, Dept. of English, University of Rajasthan, was the Chief Guest of the Webinar. The Guest of Honor for the Webinar was Prof. Nafisa Hatimi, former Head, Dept. of English, MLSU. Prof. Pradeep Trikha of the Dept. of English, MLSU was nominated by the Hon'ble Vice-Chancellor MLS University, Prof. Amarika Singh, to deliver the Presidential address. Prof. Trikha shared his opinion about 'narrative medicine' as a tool to critically understand the challenges of the present times.

Prof. Sharad Srivastava, former Dean, UCSSH and Head, Department of English, MLS University, Udaipur was the Chairperson of the Valedictory session of the webinar. Prof. Sudhi Rajiv, Former Dean, Faculty of Arts and Head, Department of English, JNV University, Jodhpur delivered the keynote address in the session. Dr. Minakshi Jain, Head, Department of English, MLS University, Udaipur presented the report of the webinar.

The Department of English has been running a RUSA project 'Center for English and Foreign Languages' from 2020. Under this Career Hub project, two language courses were launched in 2021, Vis. A Certificate Course in French and A Certificate Course in German. These Certificate Courses are aimed at equipping unemployed students with language skills that will be helpful in getting employment in the city which is popular among overseas travellers. The Inaugural Session of Certificate Course in French / German was organized on 23rd April, 2021 in online mode. Prof. Seema Malik, Dean, UCSSH, MLSU, Udaipur, chaired the session and Prof Kanika Sharma, Nodal Officer, RUSA MLSU, Udaipur, Prof Sharad Srivastava, formerly Professor, Department of English, MLSU, Udaipur and Prof. Nafisa Hatimi, Retd. Professor, Department of English, MLSU,

Udaipur, graced the event as the guests of Honour. Prof. Hamsavahini Singh, from Banasthali Vidyapeeth University delivered the Keynote lecture in the Inaugural session. She said that learning a language is actually learning a new culture and the beginning of making oneself familiar with the multiple nuances of that culture. Prof. Singh suggested that everyone must learn at least two foreign languages. Prof. Pradeep Trikha, the Coordinator of the event, introduced the facilities available for the students at the Center for English and Foreign Languages. Dr. Minakshi Jain, Head of the Department, highlighted the scope of opportunities available for the students after learning French and German languages.

## हिंदी विभाग

# राम साहित्य पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा 2–3 जुलाई, 2021 को 'वैश्विक परिदृश्य में राम साहित्य' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने संदेश में श्रीराम को हमारे जीवन के प्रेरणा-स्रोत बताते हुए उनके जीवन-मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। आयोजन सचिव डॉ. नीता त्रिवेदी ने संगोष्ठी का विषय-प्रवर्तन किया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि श्रीमान् संजय सिंघल, पूर्व निदेशक, सिक्योर मीटर्स लि. ने अपने उद्बोधन में साहित्य में रामकथा के उत्स एवं प्रभाव का आख्यान किया। प्रो. सीमा मलिक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि रामकथा व्यापक है एवं यह हमारे मानस में संस्कार के रूप में मौजूद है। मुख्य वक्ता श्रीमती अनीता बोस, मुख्य संयोजक, द ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ द रामायण प्रोजेक्ट ने अपने वक्तव्य में थाइलैण्ड, इण्डोनेशिया, म्यांमार, फिलीपिंस आदि देशों में विभिन्न माध्यमों में रामायण के प्रभाव की विस्तृत जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि श्रद्धेय संत शरण तिवारी, अयोध्या ने रामकथा का महत्त्व बताते हुए रामचरित मानस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

विशिष्ट वक्ता डॉ. राम प्रसाद भट्ट, हेम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी ने अपने वक्तव्य में यूरोप में प्रचलित रामकथा के विषय में बताया। उद्घाटन सत्र में ही संगोष्ठी हेतु प्राप्त शोध-आलेखों का पुस्तक रूप में 'विश्व में राम' शीर्षक से विमोचन किया गया। इस संगोष्ठी में प्रो. नरेश मिश्र (हरियाणा), प्रो. शैलेन्द्र शर्मा (उज्जैन), डॉ. श्वेता दीप्ति (नेपाल), प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, प्रो. कृपाशंकर पांडेय (इलाहाबाद), प्रो. एम. ज्ञानम (चेन्नई) एवं प्रो. सलेश कुमार (फिजी), डॉ. अलका धनपत (मॉरीशस), डॉ. सुरेश चन्द्र शुक्ल (नॉर्वे), सुनील पाठक (उत्तराखंड), डॉ. राजेश श्रीवास्तव (भोपाल) एवं डॉ. श्वेता उपाध्याय (रवांडा) ने अपने व्याख्यान में राम साहित्य के वैश्विक संदर्भों एवं प्रासंगिकता का आख्यान किया।

# हिंदी दिवस का आयोजन

हिंदी विभाग द्वारा 14 सितम्बर, 2021 को 'हिंदी का वर्तमान परिदृश्य : स्वरूप एवं संभावनाएँ' विषय पर हिंदी दिवस का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड पर किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. हरिशंकर मिश्रा (लखनऊ), प्रो. प्रमोद कोवप्रत (कालीकट), प्रो. हितेन्द्र मिश्र (शिलांग), प्रो. दिलीप मेहरा (आणंद) एवं डॉ. अखिल शुक्ला (जयपुर) ने ऑनलाइन माध्यम से विचार व्यक्त किये। वहीं अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार एवं अधिष्ठाता प्रो. जी.एस. राठौड़ ने अध्यक्ष व मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त किए।

# श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

**मन्नू भंडारी का निधन हिंदी जगत में कभी भी पूर्ण न होने वाली क्षति : कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह**

दिनांक 16 नवंबर, 2021 को हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी की ख्यातनाम लेखिका मन्नू भंडारी के देहावसान पर कुलपति महोदय प्रो. अमेरिका सिंह के संरक्षण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू परिहार ने उनके साहित्य में स्त्री, बाल और पुरुष संवेदना का स्मरण किया। सह आचार्य डॉ. आशीष सिसोदिया ने भंडारी जी के साहित्य को जीवन का साहित्य कहा।

## इतिहास विभाग

# महात्मा गाँधी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

स्वराज और लोक कल्याणकारी राज्य : महात्मा गाँधी के विचारों पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन इतिहास विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा किया गया। इस सेमिनार के संरक्षक सुखाड़िया विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह एवं सह संरक्षक प्रो. सीमा मालिक रहे।

उद्घाटन सत्र में अतिथि प्रो. जे.पी. यादव, कुलपति, राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर ने अपने उद्बोधन में महात्मा गाँधी के जीवन संघर्ष तथा परिपक्वता का चित्रण कर आजादी के लगभग 75 वर्षों बाद पुनः गांधी जी के विचारों एवं प्रयासों को भूपटल पर लाने तथा उनकी जरूरतों का आभास करवाया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. दिमित्रीमॉस वैसिलियादिस, राष्ट्रीय एवं व्यवसायिक विश्वविद्यालय, एथेंस, ग्रीस ने महात्मा गाँधी को संपूर्ण विश्व का नेता तथा अहिंसा शस्त्र के प्रथम वाहक के रूप में बताया।

उद्घाटन सत्र में अभिवादन विभाग की प्रो. प्रतिभा ने किया। इस वेबिनार में आयोजित विभिन्न तकनीकी सत्रों में डॉ. लाल बहादुर राणा (नेपाल), श्रीमती मनीषा रामरखा (पूर्व शिक्षा मंत्री, फिजी), डॉ. सुनील आचार्य (मॉरीशस), डॉ सतीश कुमार शास्त्री (हरिद्वार) सहित देश विदेश के लगभग 55 प्रतिभागियों ने शोध पत्रों का वाचन एवं प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री राजीव अरोड़ा (पूर्व चेयरमैन, आर.टीडी.सी.), मुख्य वक्ता प्रो. नरेश दाधीच (पूर्व कुलपति वी.एम.ओ. विश्वविद्यालय कोटा), प्रो. जे. एन. सिन्हा (इतिहासकार, दिल्ली विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। वेबिनार के समस्त शोधपत्रों एवं कार्यक्रम का विवेचन विभाग के डॉ. मनीष श्रीमाली ने किया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के इतिहासकारों और विद्वानों में डॉ. अनिल कुमार सिंह (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली), डॉ. वीनू पन्त (सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक) सहित विभाग के समस्त शोधार्थी सम्मिलित रहे।

## जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग — प्राकृत संगोष्ठी एवं प्रोत्साहन समारोह

दिनांक 24 अक्टूबर, 2021 को परम पूज्य प्रज्ञाश्रमण गुरुगौरव, बालयोगी मुनि श्री 108 श्री अमित सागर जी महाराज के सान्निध्य में 'प्राकृत संगोष्ठी एवं प्रोत्साहन समारोह' का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज एवं ट्रस्ट की भागीदारी के साथ-साथ माननीय प्रो. अमेरिका सिंह, कुलपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। माननीय कुलपति महोदय ने समाज के प्रतिवेदन को स्वीकर करते हुए 'प्राकृत भवन एवं पाण्डुलिपि संग्रहालय' हेतु 30,000 वर्ग फीट जमीन विश्वविद्यालय परिसर में आवंटित करने की घोषणा की तथा उस भूमि पर 'प्राकृत भवन एवं पाण्डुलिपि संग्रहालय' बनाने का समाज ने अपने दायित्व को स्वीकार किया। एतदर्थ विभाग आप सभी का आभार अभिव्यक्त करता है तथा आगामी कार्यक्रमों के निष्पादन में आपके सहयोग की सदैव अपेक्षा रखता है।

## राजस्थानी विभाग — अहिंसा, वसुधैव कुटुंबकम् और इंसानी दोस्ती के प्रेरक महात्मा गाँधी

विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग एवं राजस्थानी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में महात्मा गाँधी और इंसानी दोस्ती विषय पर 6 अक्टूबर, 2021 को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति महोदय ने अपने संदेश में कहा कि दुनिया मोहनदास करमचंद गाँधी को महात्मा गाँधी के नाम से याद करती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. एहसान हसन, उर्दू विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी रहे। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. हदीस अंसारी ने दिया।

## संस्कृत विभाग — शब्दतत्त्व की दार्शनिक मीमांसा विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

संस्कृत विभाग में दिनांक 24 सितम्बर, 2021 को 'शब्दतत्त्व की दार्शनिक मीमांसा' विषय पर ऑफलाइन और ऑनलाइन हाईब्रिड मोड पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य उद्बोधन जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता और बी.एच.यू. वाराणसी के विजिटिंग प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा ने दिया।

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य के अन्तर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय में जल्दी ही भारतीय विद्या संकाय के संकल्प को साकार करने की बात कही।

# संस्कृत दिवस पर अन्तर्जालीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत विभाग की ओर से दिनांक 27 अगस्त, 2021 को 'सुरभारती-भारतविद्ययोः महत्त्वं भविष्यञ्च' विषय पर एकदिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने उच्चशिक्षा जगत में भारतीय प्राच्यविद्या और संस्कृत परंपरा को संरक्षित करने और उस पर समसामयिक शोधकार्य को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। अध्यक्षता सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर. सुथार ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीकल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. लक्ष्मी शर्मा, विशिष्ट अतिथि भारतीय सेना के सेवानिवृत्त धर्माधिकारी मेजर कैलाश चंद्र शर्मा रहे।

मेजर कैलाश चंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को सेना में धर्मशिक्षक के रूप में सेवा देने के लिए प्रेरित किया। मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. हेमंत द्विवेदी, विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

# संस्कृत है भारत की पहचान एवं गौरव : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 18 नवम्बर, 2021 को राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं वेबीनार का आयोजन किया गया। 'भारत की राष्ट्रीय एकता एवं संस्कृत' विषय पर बोलते हुए भारत की चारों दिशाओं के सारस्वत वक्ताओं ने भारत की राष्ट्रीय एकता में संस्कृत के योगदान एवं महत्त्व को प्रतिपादित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने संदेश में संस्कृत को भारत की पहचान एवं भारत का गौरव बताया। जयपुर से जुड़े हुए वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद् श्री राजेंद्रमोहन शर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं कम्प्यूटर के लिए सर्वाधिक उपयोगी एवं विज्ञानसम्मत भाषा संस्कृत को बताया। गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से जुड़े हुए प्रो. कमलेश चौकसी ने संस्कृत को संस्कारों की भाषा बताया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला की प्रो. शिप्रा रॉय, कश्मीर विश्वविद्यालय से डॉ. करतार चन्द शर्मा, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम की डॉ. सी. एन. विजयाकुमारी ने उद्बोधन दिया।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो सी.आर. सुथार ने भारत को कश्मीर से कन्याकुमारी एवं पश्चिम से पूर्व तक जोड़ने वाला माध्यम संस्कृत को बताया। मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. हेमंत द्विवेदी एवं विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए।

## उर्दू विभाग

# मानव संरक्षण और उर्दू साहित्य पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग द्वारा 5 जुलाई 2021 को आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार 'मानव संरक्षण और उर्दू साहित्य' के अंतर्गत स्वागत व्याख्यान और परिचर्चा के बाद 4 तकनीकी सत्रों के साथ ही समापन सत्र का आयोजन किया गया। परिचर्चा के मुख्य अतिथि प्रो. खालिद महमूद, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे। कार्यक्रम में डॉ. मोहम्मद नईम, डॉ. शकील अहमद, प्रो. ख्वाजा इकरामुद्दीन, प्रो. मोहम्मद अली जौहर, प्रो. सय्यद शाह हसीन अहमद, डॉ. मेमुना अली चौगले, नादिर अली सहित अन्य अतिथि थे।

अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने की। परिचर्चा का मुख्य निष्कर्ष यह आया कि मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे की मदद करना ही मानव का कर्तव्य होना चाहिए। तकनीकी सत्रों एवं समापन सत्र की अध्यक्षता क्रमशः प्रो. अहमद महफूज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, डॉ. शकील अहमद, मऊ, उत्तर प्रदेश, प्रो. मोहम्मद कासिम, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. शेख मोहम्मद शकील, प्रो. मोहम्मद गयासुद्दीन, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा की गई। संगोष्ठी के संयोजक उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. हदीस अंसारी रहे।

# मुंशी प्रेमचंद पर विस्तार व्याख्यान

'मुंशी प्रेमचंद कल और आज' के विषय पर उर्दू विभाग द्वारा विस्तार व्याख्यान का आयोजन दिनांक 28 अगस्त, 2021 को किया गया। मुख्य वक्ता एम.एल.बी. कॉलेज, भोपाल की डॉ. सबा अजीम साहिबा थी। कुलपति महोदय ने अपने संदेश में कहा कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य जितना कल प्रासंगिक था उतना आज भी प्रासंगिक है। उर्दू विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हदीस अंसारी के स्वागत उद्बोधन दिया।

# विस्तार व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 9 अक्टूबर, 2021 'सर सैयद अहमद खान और पत्रकारिता' विषय पर उर्दू विभाग द्वारा विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. मोहम्मद कासिम अंसारी उर्दू विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय बनारस थे। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता महज खबरों के आदान-प्रदान का नाम नहीं है बल्कि यह विचारों, कर्तव्यों और समय की समस्याओं का विश्लेषण होता है और इसमें भविष्य की संभावनाओं की खोज की जाती है। प्रो. हदीस अंसारी ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।

# विश्व उर्दू दिवस

विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर दिनांक 9 नवम्बर, 2021 को उर्दू विभाग द्वारा 'युवाओं के नाम इकबाल का संदेश' शीर्षक से एक ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह थे। नागपुर के प्रसिद्ध शोधकर्ता, लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. असर हयात विशेष वक्ता थे। इस विस्तार व्याख्यान के बाद एक संक्षिप्त चर्चा का आयोजन भी किया गया जिसमें उर्दू की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ इसकी लोकप्रियता और मिठास के बारे में खुलकर चर्चा की गई।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के जन्मदिवस पर दिनांक 11 नवम्बर, 2021 को 'मौलाना अब्दुल कलाम आजाद का तालिमी और समाज नजरिया' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन उर्दू विभाग द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. मोहम्मद हसन, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी केंपस, दरभंगा और डॉ. फिरोज, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद थे। कार्यक्रम में मौलाना आजाद की जिंदगी का विश्लेषण एवं जनता और देश के प्रति किए गए उनके अनुकरणीय कार्यों का उल्लेख किया गया।

## दृश्यकला विभाग

अगस्त, 2021 में दृश्यकला को एक नए संकाय के रूप में स्थापित किया गया। इस संकाय अध्यक्ष के पद पर प्रो. मदनसिंह राठौड़ को नियुक्त किया गया।

मानविकी संकाय द्वारा दिनांक 19 अगस्त, 2021 को विश्व मानवता दिवस के उपलक्ष्य में 'इंसानियत पर बातें' शीर्षक से एक अनौपचारिक ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. सुरेंद्र कटारिया ने अपना उद्बोधन दिया। इस कार्यक्रम के संयोजक मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. हेमंत द्विवेदी रहे।

दृश्यकला विभाग द्वारा दिनांक 12 जुलाई, 2021 को New Trends in contemporary Arts विषय पर राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राजेश कुमार व्यास ने अपने विचार व्यक्त किए।

Great In Small अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन 17 अक्टूबर, 2021 से 23 जनवरी, 2022 तक वर्ल्ड आर्ट डेल्फट, नीदरलैंड में किया जा रहा है। इसमें प्रो. मदनसिंह राठौड़, प्रो. हेमंत द्विवेदी, डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ. शाहिद परवेज एवं डॉ. दीपिका माली सहित विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं पूर्व छात्र सदस्यों की कृतियों को प्रदर्शित किया गया। उक्त प्रदर्शनी में उदयपुर एवं नीदरलैंड के कुल 50 कलाकार भाग ले रहे हैं। नीदरलैंड में प्रदर्शनी का उद्घाटन तत्कालीन भारतीय राजदूत श्री प्रदीप कुमार रावत ने किया।

स्थानीय कलाकारों के चित्रों के पूर्वावलोकन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन 12 अगस्त, 2021 को विश्वविद्यालय के गोल्डन जुबली सभागार में किया गया जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने किया। प्रदर्शनी के क्यूरेटर डॉ. शाहिद परवेज थे।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क का सम्पूर्ण कलात्मक कार्य दृश्यकला संकाय अध्यक्ष व निदेशक प्रो. मदनसिंह राठौड़ की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

विभाग के प्रो. हेमंत द्विवेदी एवं डॉ. शाहिद परवेज ने दिल्ली आर्ट सोसायटी द्वारा अगस्त माह में आयोजित ऑनलाइन अखिल भारतीय प्रदर्शनी "Heads" में अपनी कृतियों को प्रदर्शित किया।

महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 8 अक्टूबर, 2021 को महाराणा उदयसिंह की 500वीं जंयती पर आयोजित वर्चुअल व्याख्यान

माला में डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ ने '16वीं सदी में मेवाड़ की कला एवं स्थापत्य' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. शाहिद परवेज ने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा सितम्बर माह में गोवा में आयोजित राष्ट्रीय All India artist camp में भाग लिया। केम्प में गोवा की आजादी और गोवा की हेरिटेज विषय पर चित्र बनाए गए। इसके अर्न्तगत डॉ. शाहिद परवेज ने 'मेरी इम्येकुलेत कन्सेप्शन चर्च' का चित्रण किया और गोवा की आजादी के संदर्भ में लता मंगेशकर का प्रतीकात्मक चित्रण किया।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत उदयपुर एयरपोर्ट द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी में विभाग के डॉ. शाहिद परवेज एवं डॉ. दीपिका माली ने अपनी कृतियों को प्रदर्शित किया जिसमें डॉ. शाहिद का "Do I need title" शीर्षक मूर्तिशिल्प किया, करीब 900 प्लास्टिक की खिलौना कारें और मास्क पहने एक चेहरा वायु प्रदूषण की भयावहता को बयान कर रहा है। वहीं डॉ. दीपिका की कलाकृतियों में 'अनटाइटल' शीर्षक से बनाए गए चित्रों में उदयपुर शहर के लैंडस्केप को अमूर्त रूप में चित्रित किया गया हैं।

Inspirit Art gallery और चन्द्रागन द्वारा 13 से 20 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय महिला कलाकार कैम्प "Lunar Shades" में विभाग की डॉ. दीपिका माली ने भाग लिया। वहीं राजस्थान ललित कला अकादमी की 62वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी में विभाग के पूर्व शोधार्थी डॉ. निर्मल यादव एवं शोधार्थी कुमुदिनी भरावा एवं राजेंद्र प्रसाद मीणा की कलाकृतियों का राज्य कला पुरस्कार हेतु चयन किया गया।

राजस्थान ललित कला अकादमी की 41वीं छात्रकला प्रदर्शनी में विभाग के शोधार्थी प्रभुलाल गमेती एवं एम.ए. की छात्रा नैना सोमानी की कलाकृतियों का पुरस्कार हेतु चयन किया गया।

## राजभवन में प्रदर्शित कलाकृतियाँ

राजभवन, राजस्थान के राजस्थानी सांस्कृतिक व कलात्मक विरासत की दृष्टि से सौन्दर्यीकरण करने तथा देश-विदेश से आने वाले राजकीय मेहमानों को सांस्कृतिक धरोहर से रू-ब-रू करवाने की दृष्टि से दृश्यकला संकाय द्वारा प्रो. मदनसिंह राठौड़ के निर्देशन में कला शिविर का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय ख्याति के पुरस्कार प्राप्त 12 कलाकारों द्वारा सृजित मूर्तिशिल्प व चित्रकृतियों को स्थायी रूप से राजभवन परिसर में स्थापित किया गया।

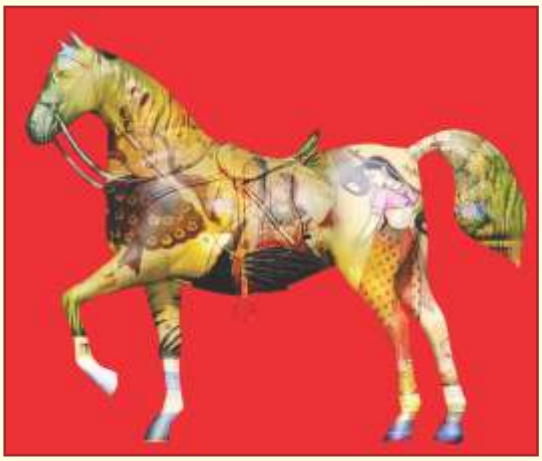

## संगीत विभाग

# वर्चुअल सम्मेलन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के निर्देशन में दिनांक 05 जुलाई, 2021 को विश्वविद्यालय के संगीत विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'विश्व शांति में भारतीय संगीत का योगदान' विषयक वर्चुअल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मभूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट, मोहन वीणा वादक ने कहा कि संगीत में जो शक्ति है, वही आपको सम्मोहित करती है। राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति प्रो. पंडित साहित्य कुमार नाहर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

### गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया

संगीत विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) का आयोजन दिनांक 23 जुलाई, 2021 को किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आरती अंकलेकर जो शास्त्रीय संगीत जगत में अपनी एक पहचान रखती है और 'सरदारी बेगम' जैसी कई प्रसिद्ध फिल्मों में अपने गायन की शानदार प्रस्तुति देने वाली शास्त्रीय एवं ठुमरी गायिका ने शिरकत की।

### अन्य प्रस्तुतियाँ

संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों में भी अपनी प्रस्तुतियाँ दी। संविधान दिवस पर माननीय कुलाधिपति कलराज मिश्र के समक्ष संविधान गीत का प्रस्तुतीकरण एवं रेड रिबन क्लब के लिए प्रस्तावित गीत में अपनी आवाज देकर गीत को रिकॉर्ड किया गया।

# सामाजिक विज्ञान संकाय

## पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

# विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विचार संगोष्ठी का आयोजन

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के तत्त्वावधान में विश्व फोटोग्राफी दिवस 19 अगस्त, 2021 पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'नये तकनीकी दौर में फोटोग्राफी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर आयोजित इस विचार संगोष्ठी में प्रसिद्ध फोटो पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' एवं वरिष्ठ पत्रकार विपिन गांधी ने विचार व्यक्त किए। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने संदेश में विद्यार्थियों से एक फोटो पत्रकार बनने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. कुंजन आचार्य ने कहा कि नये तकनीकी दौर ने फोटोग्राफी की दुनिया को भी पूरी तरह से बदल दिया है।

# कुलपति प्रो सिंह ने भावी पत्रकारों के साथ की मॉक प्रेस कॉन्फ्रेंस

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को मल्टी फैकल्टी एजुकेशन हब के रूप में विकसित करते हुए देश की टॉप टेन यूनिवर्सिटी में शामिल करने का लक्ष्य है। दिनांक 8 दिसम्बर को कुलपति प्रो. सिंह पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से नव आगंतुक विद्यार्थियों के लिए चल रहे तीन दिवसीय संवाद सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भावी पत्रकारों के साथ कुलपति सचिवालय में आयोजित मॉक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल ने एकेडमिक्स की गति को बहुत प्रभावित किया है इसलिए इस तरह का तकनीकी मैकेनिज्म विकसित किया जा रहा हैं जिसमें प्रभावी ऑनलाइन शिक्षा के साथ ही ऑनलाइन परीक्षाएँ करवाई जाएगी।

## पुस्तकालय विज्ञान विभाग

# पद्मश्री डॉ. एस.आर. रंगनाथन की 129वीं जयंती मनाई गई

भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के पितामह डॉ. एस.आर. रंगनाथन का जन्म दिवस दिनांक 12 अगस्त, 2021 को मनाया गया। इस अवसर पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत दो नए पाठ्यक्रमों डिप्लोमा एंड सर्टिफिकेट एवं विभाग के नवीनीकरण भवन का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डीन प्रो. सी. आर. सुथार, एसोसिएट डीन प्रो. प्रदीप त्रिखा, सामाजिक एवं मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र कटारिया, संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. एल. एन. वर्मा, केंद्रीय पुस्तकालय के डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. उमेश कुमार अग्रवाल, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. पी.एस. राजपूत आदि उपस्थित रहे।

# वर्ल्ड कॉपीराइट एंड बुक डे कार्यक्रम

विभाग द्वारा दिनांक 23 अप्रैल, 2021 को वर्ल्ड कॉपीराइट एंड बुक डे कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कॉपीराइट एवं पुस्तकों का जीवन में महत्त्व के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

# नए पाठ्यक्रम और अन्य कार्य

विभाग द्वारा डिप्लोमा व सर्टिफिकेट्स पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। विभाग के नवीनीकृत कक्षों तथा ऑफिस का उद्घाटन 12 अगस्त, 2021 को माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी.आर सुथार, प्रो. प्रदीप त्रिखा, प्रो. एस.के. कटारिया, प्रो. नीरज शर्मा, विभाग के सेवानिवृत प्रो. एल.एन. वर्मा, डॉ. उमेश कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

## मनोविज्ञान विभाग

# विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अतिथि डीन प्रो. सी. आर. सुथार व एसोसिएट डीन प्रो. प्रदीप त्रिखा ने अपने संदेश द्वारा मेंटल हेल्थ जागरूकता अभियान को महत्त्व दिया। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. कल्पना जैन ने लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

# सेमिनार का आयोजन

वर्तमान परिस्थिति में मानसिक स्वास्थ्य और वेलबिइंग की चुनौतियों का सामना विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन मनोविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 15–16 जुलाई, 2021 को किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य कोविड के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर हुए प्रभावों तथा उनके उपचारों के बारे में चर्चा करना था।

# चॉइस सिद्धांत रियलिटी थेरेपी पर कार्यशाला

चॉइस सिद्धान्त रियलिटी थेरेपी पर दिनांक 3 से 8 अगस्त एवं 9 से 14 अगस्त, 2021 तक विभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन रूसा 2.0 के अन्तर्गत किया गया। डॉ. फरीदा विलियम ग्लांसर ने प्रतिभागियों को बताया कि व्यवहार व्यक्ति द्वारा चयनित होता है, और परामर्श कौशलों के द्वारा उसके व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है।

# हिप्नोथेरेपी पर कार्यशाला

## जीवन के सर्वांगीण विकास में मानसिक स्वास्थ्य का स्वस्थ होना अति महत्त्वपूर्ण : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के द्वारा दिनांक 17 नवम्बर को हिप्नोथेरेपी पर कार्यशाला का आयोजन रूसा 2.0 के अंतर्गत किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि बुद्धिमत्तापूर्ण कार्य करने हेतु आज के इस दौर में सभी लोगों का मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. जी.एस. राठौड़, अधिष्ठाता, विज्ञान महाविद्यालय ने इस तरह की कौशल कार्यशालाओं को मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम बताया। प्रो. एस.के. कटारिया, अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय ने मेडिकल साइंस और हिप्नोथेरेपी को जोड़ते हुए कई सारे उदाहरण के साथ इसकी महत्ता को बताया।

# माइंडफुलनेस-सिद्धांत और उपयोगिता

दिनांक 6–7 दिसम्बर 2021 को मनोविज्ञान विभाग द्वारा रूसा 2.0 के अंतर्गत एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रो. एम.पी. शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, क्लीनिकल साइकोलोजी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एवं न्यूरोसाइंस, बेंगलुरु ने बताया कि यह एक अभ्यास है, जिससे व्यक्ति में स्वीकृति, साक्षी भाव तथा नकारात्मक स्थितियों का सामना करने का साहस बढ़ता है।

## लोक प्रशासन विभाग

# विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर राजनीति से जोड़ना आज की महती आवश्यकताः प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के लोकप्रशासन विभाग द्वारा दिनांक 26–27 नवंबर, 2021 को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में 'भारतीय गणतंत्र एवं संविधान : अपेक्षाएँ एवं उपलब्धियाँ' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने उद्बोधन में संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उद्घाटन सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के प्रो. बलजीत सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि संविधान कानून के शासन को सुनिश्चित करता है।

दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सूरत के प्रो. नीलेश जोशी ने कहा कि भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक विविधताओं में देश को एकीकृत करने और आर्थिक विकास को गति देने में संविधान ने अपनी महती भूमिका निभाई है। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. संजीव भाणावत ने पत्रकारिता और मीडिया तथा स्वतंत्रता के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला। इस संगोष्ठी में छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के प्रो. राजेंद्र मिश्रा, परिवहन विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त आयुक्त डॉ. मन्ना लाल रावत, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. एस.एल. शर्मा, डॉ. लक्ष्मी लाल वैरागी ने अपने अपने विचार रखे।

## डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एवं डिजाइनिंग

### वस्त्र उद्योग व पारंपरिक हस्त कलाओं के सामंजस्य से नए आयाम संभव : प्रो. अमेरिका सिंह

विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एवं डिजाइनिंग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की ओर से भारतीय कपड़ा उद्योग : महामारी के बाद का भविष्यवादी दृष्टिकोण विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वर्चुअल सेमिनार का आयोजन दिनांक 13 जुलाई, 2021 को किया गया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रॉफ्ट एंड डिजाइन की निदेशक प्रो. तुलिका गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय और आर्टिजन्स के बीच समय-समय पर संवाद स्थापित करके हस्त एवं शिल्प कला को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। संगोष्ठी आयोजन सचिव डॉ. डोली मोगरा ने बताया कि कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से आयोजित इस सेमिनार में देशभर के 130 से अधिक प्रतिभागी के रूप में विषय विशेषज्ञ, स्कॉलर, विद्यार्थियों ने भाग लेकर विषय पर मंथन किया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने अपने संदेश में कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के तहत भारत के समृद्धशाली वस्त्र उद्योग व पारंपरिक हस्त-कलाओं के सामजंस्य को प्रौद्योगिकी से जोड़कर आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित करने में अहम् कड़ी बन सकता है।

### रूसा के सहयोग से मिली आधुनिक सिलाई मशीनें

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने 1 अगस्त, 2021 को विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 'डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग' तथा इसी विभाग में राष्ट्रीय उच्चतर शैक्षिक अभियान (रूसा) के सहयोग से निर्मित 'डिजाइनिंग लेब' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज वैश्वीकरण के युग में कौशल प्रशिक्षण किसी भी देश के स्वस्थ आर्थिक विकास के लिए तथा बढ़ती कार्यक्षमता और उत्पादकता के लिए अनिवार्य घटक है।

### ड्रेस और मेकअप स्टाइल की श्रेष्ठता जीवन में ऊर्जा और उल्लास भर सकती है: दीप्ति गन्ना

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने नवरात्रि की बधाई का संदेश देते हुए छात्राओं से माँ दुर्गा के सद्गुणों को अपनाकर जीवन में शक्ति और साहस से जीने का आह्वान किया। दिनांक 07 अक्टूबर को नवरात्रि में मेकअप एंड ड्रेस स्टाइल के स्पेशल सेशन्स के दौरान परफेक्ट मेकओवर डाइरेक्टर दीप्ति गन्ना ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मेकअप की नई स्टाइल बताते हुए कहा कि प्रसन्नता और ग्रूमिंग का गहरा नाता है। फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग की प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. डॉली मोगरा ने ड्रेसिंग सेंस के बारे में बताया।

### मेहनत, कला और कौशल के समन्वय से स्वरोजगार के रास्ते स्वयं बनते हैं : प्रो. अमेरिका सिंह

वस्त्र मंत्रालय हेंडीक्राफ्ट, भारत सरकार एवं मोहनलाल सुखाड़िया विश्विद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में दो माह की हस्त-कशीदाकारी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30 नवम्बर, 2021 से आरंभ हुआ।

इस प्रशिक्षण कार्य की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शिक्षा मिल सके इसके लिए नयी शिक्षा नीति में कई प्रावधान शामिल किए गए हैं।

# संगम कपड़ा मिल का शैक्षणिक दौरा

विभाग के विद्यार्थियों का वस्त्रों की नगरी भीलवाड़ा में स्थित कपड़ा मिल संगम का शैक्षणिक दौरा दिनांक 08 नवंबर को किया गया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्टडी के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान भी जरूरी है।

# स्किल ओरिएंटेड वर्कशॉप ग्रूम योरसेल्फ विद ट्रेंडी मेकअप एंड ड्रेसिंग स्टाइल्स का आयोजन

डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं उदयपुर वुमन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संयोजन में दिनांक 12 अगस्त, 2021 को एक दिवसीय स्किल ओरिएंटेड वर्कशॉप 'ग्रूम योरसेल्फ विद ट्रेंडी मेकअप एंड ड्रेसिंग स्टाइल्स' का आयोजन किया गया। जिसमें लंदन सर्टिफाइड मेकअप स्टाइलिश दीप्ति गन्ना द्वारा वर्कशॉप में मेकअप के अलग अलग तरीके साझा किए गए।

# आदिवासी महिलाओं को सिलाई मशीन एवं टूल किट वितरण समारोह का आयोजन

डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग एवं कार्यालय विकास आयुक्त, हस्तशिल्प, भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 19 अगस्त, 2021 को आदिवासी महिलाओं को सिलाई मशीन एवं टूल किट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति, प्रो. अमेरिका सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित आदिवासी मिलाप योजना के बारे में बताया और कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय कलाओं को प्रमोट करके लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है।

## आदिवासी महिला टेलर्स ने सीखी सिलाई की बारीकियाँ

विश्वविद्यालय के संघटक कला महाविद्यालय के फैशन टेक्नोलॉजी एवं डिजाइनिंग विभाग की छात्राओं ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह की प्रेरणा से विभाग प्रभारी डॉ. डोली मोगरा के निर्देशन में महिला टेलर्स को प्रशिक्षण दिया गया। सिरोही जिले के आबूरोड स्थित गाँव देवला, पिंडवाड़ा में दिनांक 20 अगस्त, 2021 को एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

## कौशल विकास एवं स्वावलंबन कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के फैशन टेक्नोलॉजी एवं डिजाइनिंग विभाग द्वारा दिनांक 28 अगस्त, 2021 को कौशल विकास एवं स्वावलंबन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि वस्त्र एक मूलभूत आवश्यकता होने के साथ ही हर विपरीत परिस्थिति में रोजगार का साधन है।

## हाथों के हुनर से ही आत्मनिर्भरता आएगी : प्रो. अमेरिका सिंह

वस्त्र मंत्रालय हेंडीक्राफ्ट, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में दो माह की हस्त कशीदाकारी कार्यशाला की शुरुआत दिनांक 22 अक्टूबर को हुई। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि हाथों में समृद्धशाली बनने का गुण होता है, समय प्रबंधन व नव सृजन से ही नए स्टार्टअप सफलता की ओर अग्रसर होते है। हस्तशिल्प के असिस्टेंट डायरेक्टर गिरीश सिंघल ने भी विचार रखे।

## कौशल से रोजगार सृजन करना विश्वविद्यालय की पहली प्राथमिकता : प्रो. अमेरिका सिंह

फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट की स्थापना के साथ ही कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने उदयपुर स्थित अपैरल कंस्ट्रक्शन कर रही औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण दिनांक 25 नवम्बर को किया। वहां के आधुनिक सेटअप को देखते हुए प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की छात्र-छात्राओं को और अधिक सुविधाओं से युक्त आधुनिक मशीनों से सुसज्जित किया जाएगा जिससे रोजगार के अवसर ज्यादा मिल पाएंगे।

## विश्वविद्यालय के प्रयास आदिवासी बालक - बालिकाओं के लिए रहेंगे जारी : प्रो.अमेरिका सिंह

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग एवं राजस्थान साहित्य महोत्सव आडावळ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित राजस्थानी पौशाकों पर आधारित फैशन-शो एवं आडावळ महोत्सव के समापन समारोह में रैंप पर एक के बाद एक ठेठ राजस्थानी आदिवासी एवं पारंपरिक पौशाक धारण किए युवक-युवतियों की कैट वॉक का जलवा देखते ही बना। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम और कार्यशाला से न केवल विद्यार्थी अपनी संस्कृति के साथ अपने पारंपरिक परिधानों से परिचित कराने की दिशा में कदम आगे बढ़ाएंगे, वहीं वें पारंपरिक आकर्षक रंग-बिरंगी पारंपरिक परिधानों से देश-दुनिया को रूबरू कराएंगे। कोरियोग्राफर रजनी कौर और जाकिर खान ने ग्रूमिंग वर्कशॉप के दौरान छात्र-छात्राओं को रैंप वॉक की ट्रेनिंग दी।

## ट्राइबल ज्वेलरी मेकिंग कार्यशाला

फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट में ट्राइबल ज्वेलरी मेकिंग कार्यशाला का आयोजन दिनांक 21 सितम्बर, 2021 को किया गया। अपने संदेश में कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने वर्कशॉप के टेक्सटाइल ज़ीरो वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम के तहत फैशनेबल ट्राइबल ज्वेलरी जैसे स्टार्टअप्स को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

# विधि महाविद्यालय

## गाँधी जयंती के उपलक्ष्य में विविध आयोजन

2 अक्टूबर, 2021 को विधि महाविद्यालय में महात्मा गाँधी जयंती के उपलक्ष्य में पौधारोपण किया गया तथा साथ ही निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस दिन महाविद्यालय में वेबीनार का आयोजन भी हुआ। वेबिनार के आरंभ में विधि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. राजश्री चौधरी ने कार्यक्रम कर गाँधीजी के योगदान का वर्णन किया। वेबीनार के मुख्य संरक्षक प्रो. अमेरिका सिंह जी थे। वर्तमान समय में गाँधी दर्शन की प्रासंगिता पर बोलते हुए मुख्य वक्ता प्रो. गंगा राम जाखड़, पूर्व कुलपति, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय ने बताया कि महात्मा गाँधी सदैव ही प्रासंगिक थे, प्रासंगिक हैं और रहेंगे। गाँधी की प्रासंगिकता के बिना देश का विकास संभव नहीं है। गाँधी दर्शन एक सत्य है और सत्य किसी भी युग में नहीं बदलता है।

गाँधीजी ने जो कुछ भी कहा वह सभी अपने जीवन में अपनाया। वे सदैव अहिंसा और सत्य के साथ चलें और सत्य के साथ उनका प्रयोग ही सत्याग्रह कहलाया।

## रूमा देवी छात्रों से हुई रू-ब-रू

दिनांक 18 सिंतबर, 2021 को विधि महाविद्यालय में रूमा देवी छात्रों से रूबरू हुई। रूमा देवी को नारी शक्ति पुरस्कार (2018) दिया गया है। वे 17वें अखिल भारतीय सम्मेलन (15–16 फरवरी, 2020) में पैनलिस्ट के रूप में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, बोस्टन, यू.एस. द्वारा आमंत्रित हुई हैं। वर्ष 2019 का टीएफआई डिजाइनर का खिताब जीता। रूमा देवी ने महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान दिया।

## राजेंद्र प्रसाद भवन का लोकार्पण

दिनांक 26 नवंबर, 2021 को विधि महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में महामहिम माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, उदयपुर, सांसद श्री अर्जुन लाल मीणा, सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा राजेंद्र प्रसाद भवन का लोकार्पण किया गया। विधि महाविद्यालय के राजेंद्र प्रसाद भवन में कुल 8 कमरे हैं जिसमें वर्तमान में बी.ए.एलएल.बी. की कक्षाएँ निरंतर रूप से चल रही हैं।

# शिक्षा संकाय

## पर्यावरण का संरक्षण ही पर्यावरण का सृजन हैः कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह

प्रदेश में अभिनव योजनाओं और नवाचारों के माध्यम से अपनी पहचान बनाने वाले सुखाडिया विश्वविद्यालय की एक और उपलब्धि को शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित किया है। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग को शिक्षा मंत्रालय का ग्रीन वैली अवार्ड-2021 के लिए चयनित किया गया है।

इस उपलब्धि के लिए प्रशस्ति पत्र देकर जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह कहा कि मानव समाज ने प्रकृति के विरुद्ध एक अघोषित युद्ध छेड़ रखा है और स्वयं को प्रकृति से अधिक ताकतवर साबित करने में जुटा हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय पूर्ण रूप से समाज को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक करने के लिए प्रयासरत है।

## राधाकृष्णन भवन का लोकार्पण

दिनांक 26 नवंबर, 2021 को शिक्षा संकाय के नव निर्मित राधाकृष्णन भवन का लोकार्पण महामहिम माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, उदयपुर सांसद श्री अर्जुन लाल मीणा, सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा किया गया।

# संबद्ध महाविद्यालय

## राजकीय महाविद्यालय, सिरोही

### NAAC द्वारा 'A Grade' प्राप्त महाविद्यालय

आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर द्वारा सत्र 2020–21 हेतु राजकीय महाविद्यालय, सिरोही का वार्षिक अंकेक्षण कार्यक्रम (AAP) के अन्तर्गत मूल्यांकन करवाया गया। AAP मूल्याकंन के पश्चात् राजकीय महाविद्यालय, सिरोही के भौतिक सत्यापन आधार पर करवाए गए राज्य स्तरीय समग्र मूल्याकंन में महाविद्यालय को A+ ग्रेड प्राप्त हुआ। महाविद्यालय ने 4 प्वांइट के स्केल पर 3.34 अंक अर्जित कर उक्त A+ ग्रेड प्राप्त किया।

### ज्ञानगंगा का आयोजन

आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर एवं हिंदी विभाग तथा रसायनशास्त्र विभाग में राजकीय महाविद्यालय, सिरोही के संयुक्त तत्त्वावधान में राजकीय महाविद्यालय, सिरोही में दिनांक 08.02.2021 से 18.02.2021 के मध्य हिंदी एवं रसायनशास्त्र विषय में शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम 'ज्ञान गंगा' का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में इन विषयों के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'अध्ययन-अध्यापन में श्रेष्ठतापरक नवाचारात्मक पहल' विषय पर विचार-विमर्श हुआ जिसमें देश के श्रेष्ठ विद्वानों ने प्रसार भाषण के माध्यम से सहायक आचार्यों को अपने विचार एवं अनुभवों को साझा किया। प्राचार्य डॉ. अनुपमा साहा ने बताया कि 'ज्ञान गंगा' के यह कार्यक्रम राज्यभर में आयोजित किए जा रहे हैं। इनका मुख्य उद्देश्य अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में नवीन आयामों को जोड़ना है। कार्यक्रम समन्वयक एवं आयोजन सचिव डॉ. संध्या दुबे एवं डॉ. अजय शर्मा ने बताया कि उक्त कार्यक्रमों में संपूर्ण राज्य के हिंदी एवं रसायनशास्त्र विषय के लगभग 70 सह आचार्यों एवं सहायक आचार्यों ने सहभागिता की।

### राजकीय महाविद्यालय, सिरोही के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक

राजकीय महाविद्यालय, सिरोही के विद्यार्थी विगत वर्षों में विश्वविद्यालय स्तर पर अपने अकादमिक प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त करते रहे हैं। सत्र 2020–2021 विश्वविद्यालय परीक्षाओं में रसायनशास्त्र के विद्यार्थी हितेन्द्र सिंह, हिंदी विषय में दीपिका खंडेलवाल एवं राजनीति विज्ञान में हेमलता कंवर ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

### ई-लाईब्रेरी

राजकीय महाविद्यालय, सिरोही का पुस्तकालय पश्चिमी राजस्थान का विख्यात ई-पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 75,000 पुस्तकें हैं। पुराने लेखकों की पुस्तकों के साथ-साथ नये लगभग सभी प्रकाशन संस्थाओं की पुस्तकें यहाँ उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय पूर्णतया ऑनलाईन ई-लाईब्रेरी के रूप में विश्व की महत्त्वपूर्ण पुस्तकों से युक्त है।

रूसा रिव्यू मीटिंग में सुविवि की भावी योजनाओं पर मंथन
विश्वविद्यालय कैंपस को हरा- व प्रदूषण रहित किया जाएगा : प्रो. सिंह
सुविवि कुलपति प्रो सिंह का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर पौधारोपण व टीकाकरण
सीओडी और एकेडमिक कौंसिल की बैठक भी होगी
सुविवि. इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में इसी सत्र से होंगे प्रवेश
राजस्थानी साहित्य और महाराणा प्रताप विषय पर वेबिनार
भारतीय विज्ञान कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने किया सुविवि. का दौरा
पिपलांत्री में पर्यावरण महोत्सव कार्यक्रम के तहत बेटियों के नाम पर किया पौधरोपण
उदयपुर
dainiknavajyoti.com
सुखाड़िया विवि के विभिन्न विभागों में प्रताप जयंती पर वेबिनार
प्रताप के आदर्श, साहस समाज के लिए प्रेरणादायी : प्रो सिंह
आदिवासी महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ें: बोहरा
रोजगार और एजुकेशन फेयर ने दिखाई राह
26 महिला कलाकारों की पेंटिंग्स की प्रदर्शनी, आईएएस शुचि बोलीं-चित्रकला ने नकारात्मक को सकारात्मकता में बदला
सुविवि : फ्रेंच-जर्मन भाषा में 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू
सुविवि में 6 माह के जर्मन और फ्रेंच लैंग्वेज सर्टिफिकेट कोर्स शुरू
सामाजिक सरोकार के कुलपति : प्रो.अमेरिका सिंह
सुविवि का टीकाकरण सेंटर आदर्श केंद्र के रूप में स्थापित
योग स्वस्थ्य जीवन का मुख्य आधार : प्रो. अमेरिका सिंह
सुविवि: वृद्धजनों और दिव्यांगों को टीकाकरण के लिए उपलब्ध कराएगा निशुल्क वाहन
सुविवि: वृद्धजन- दिव्यांगों के टीकाकरण के लिए वाहन
सुविवि: श्रम रोजगार की स्थिति:रणनीति एवं चुनौतियां' विषय पर वेबिनार
सकारात्मकता और सजगता से हराएं कोरोना को: डॉ मलिक
सकारात्मकता के हथियार से करें कोरोना पर वार : मलिक
सुविवि वृद्धजनों और दिव्यांगों को टीकाकरण के लिए उपलब्ध कराएगा नि:शुल्क वाहन
दो गज की दूरी मास्क है बहुत जरूरी
परिवार प्रेम और विश्वास की महत्वपूर्ण कड़ी :कुलपति
परिवार प्रेम और विश्वास की महत्वपूर्ण कड़ी : वीसी
वेबिनार आयोजित

22 दिसंबर को होगा सुविवि का 29वां दीक्षांत

मोहनलाल सुखाड़िया विवि देश की टॉप 75 पब्लिक स्टेट यूनिवर्सिटी में शामिल

उदयपुर (वि)। प्रसिद्ध अंग्रेजी पत्रिका आउटलुक के ताजा अंक में की रैंकिंग में मोहनलाल सुखाड़िया पब्लिक स्टेट यूनिवर्सिटी केटेगरी

सुखाड़िया विवि. देश की टॉप 75 पब्लिक स्टेट यूनिवर्सिटी में शामिल

संस्कृत का शास्त्रों से पुरातन संबंध, कौटिल्य के अर्थशास्त्र से शुरू लोक प्रशासन का ज्ञान

दार्शनिक मीमांसा पर व्याख्यान

माइनिंग एंड मिनरल एक्सप्लोरेशन भूविज्ञान का प्रशिक्षण शुरू

सुखाड़िया विश्वविद्यालय

मार्कशीट में अब 'कृपांक' शब्द नहीं, वीसी बोले- इससे बच्चों का मनोबल गिरता है

आर्किटेक्चर काउंसिल ऑफ इंडिया ने जारी की स्वीकृति

सुविवि में इसी सत्र से शुरू होगा बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर

22 दिसंबर को होगा सुविवि का 29वां दीक्षांत समारोह, फ्रेंक व पद्मश्री प्रो. भार्गव संबोधित करेंगे

शिविर में रोगियों का उपचार, महिलाओं को साड़ियां वितरित

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव कैलाशपुरी में रेड रिबन क्लब और के संयुक्त

सुविवि के प्राणी शास्त्र विभाग की प्रयोगशाला में किया शोध कार्य

उदयपुर। सुविवि के प्राणी शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद ने बताया कि कुलपति महोदय की अध्यक्षता में विवि में चालित हो रहे रूसा 2 प्रोजेक्ट के अंतर्गत निर्मित प्रयोगशाला में बहुउपयोगी

प्रशिक्षण प्राप्त किया। गौरतलब है कि कीटनाशक निर्माता यह कम्पनी कीटनाशक औषधीय निर्माण प्रगति

सुविवि प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय जहां इसी सत्र से शुरू होगा 'बी-आर्क'

आर्किटेक्चर काउंसिल ऑफ इंडिया ने जारी की स्वीकृति, आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों

नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुति से पर्यटन प्रबंध के महत्व को दर्शाया

सुविवि में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का जैन विद्या और प्राकृत भाषा का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

फैशन टेक्नोलॉजी एंड डिजाइनिंग के कोर्स में प्रवेश शुरू

जीवन के सर्वांगीण विकास में मानसिक स्वास्थ्य का स्वस्थ होना जरूरी : प्रो. सिंह

कुलपति ने भूगोल विद्यार्थियों से किया संवाद

उदयपुर

सुविवि के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग में कशीदाकारी कार्यशाला की शुरुआत

लर्निंग-अर्निंग आधारित कार्यशाला प्रतिभागियों को श्रेष्ठ आर्टिजन्स से सीखने के लिए प्रेरित करती है : सिंघल

16 विश्वविद्यालयों की महिला हॉकी टीमें भाग लेंगी

ऑल इण्डिया इन्टर युनिवर्सिटी (इन्टर जोन) महिला हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा सुविवि

तारा संस्थान में निःशुल्क नेत्र शिविर

उदयपुर (वि)। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में तारा संस्थान उदयपुर एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन बड़गाँव पंचायत समिति के कैलाशपुरी पंचायत भवन में किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा शिविर का शुभारंभ किया गया। प्रो. सिंह द्वारा नेत्र जाँच के लिए लोगों को प्रेरित करते हुए तारा नेत्रालय में निःशुल्क इलाज के आग्रह किया। नेत्रालय संस्थापक

प्राकृत भवन एवं पाण्डुलिपि संग्रहालय अध्येताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा : प्रो. अमेरिका सिंह

सुविवि परिसर में बनेगा संग्रहालय का स्वतंत्र भवन

हमारा संविधान एक दस्तावेज नहीं, हमारी संस्कृति है: राज्यपाल

सुविवि: जिओलॉजी के छात्रों ने जानी हेलीकॉप्टर-जनित तकनीक

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग कार्यशाला

जगमग हुआ देश का पहला संविधान पार्क

लोक कल्याण में ही सबका हित:राज्यपाल

अंतर महाविद्यालय महिला वर्ग में आर्ट्स कॉलेज विजेता

सुविवि के भूविज्ञान की छात्रा शुभांगी यूपीएससी में चयनित

खेल मंत्री ने किया ओपन थिएटर का शुभारंभ

संविधान पार्क देश व राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर की एक अमूल्य व अनोखी मिसाल – चांदना

• विलोता में 24 एकड़ भूमि पर सुविवि के नए परिसर श्रीनाथजी पीठ का भूमिपूजन और शिलान्यास

नाथद्वारा एक धार्मिक तीर्थ के रूप में जाना जाता है, लेकिन अब ज्ञान तीर्थ के रूप में भी पहचाना जाएगा : राज्यपाल मिश्र

हम सौभाग्यशाली हैं कि श्रीनाथजी अपने हृदय में मेवाड़ को बसाए रखते हैं : लक्ष्यराज सिंह

जुलाई 2022 से श्रीनाथजी पीठ में शुरू करा देंगे पहला तकनीकी सत्र : कुलपति प्रो. सिंह

सुविवि पीएचडी प्रवेश परीक्षा रीट 2021 संपन्न

आधे घंटे जाम में फंसे परीक्षार्थियों का छूटा पसीना

उदयपुर, जयपुर, जोधपुर में हुई सुविवि पीएचडी की प्रवेश परीक्षा, 46% उपस्थिति

कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने की उच्च शिक्षा मंत्री से की भेंट, शैक्षणिक विकास पर चर्चा

Guv Mishra lays foundation stone of MLSU's north campus

First India Bureau

Rajsamand: Governor Kalraj Mishra laid the foundation stone of Mohanlal Sukhadia University's North Campus 'Shrinathji Peeth: Center of Excellence' in Bilota village for academic teaching of art, culture and traditions associated with Shrinathji temple of Nathdwara

KALRAJ GREETS PEOPLE ON EVE CONSTITUTION

Jaipur: Governor K Mishra has greeted country and the pe the state on the oc of 72nd Constitutio (November 26). G Kalraj Mishra said the Indian Consti

सुविवि. में नुक्कड़ नाटक 'सोच' का मंचन

सुविवि चंपा बाग की भूमि प अवैध कब्जों को लेकर कुलप ने फिर जताई नाराजगी

सुविवि को सौगात • राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया संविधान पार्क, प्रकाश द्वार, इंजीनियरिंग कॉलेज सहित अन्य भवनों का उद्घाटन

हमारा संविधान अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन वाला पवित्र दस्तावेज, यह हमारी संस्कृति का ही प्रतिरूप : राज्यपाल मिश्र

संसदीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता की सक्रिय भागीदारी जरूरी : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी

मेवाड़ के आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने का भाजपा सांसद मीणा ने भी किया समर्थन

सुविवि एवं एमपीयूएटी के दीक्षान्त समारोह में करेंगे शिरकत

राज्यपाल मिश्र 20 से तीन दिवसीय उदयपुर दौरे पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. राज्यपाल कलराज मिश्र 20 दिसंबर से तीन दिवसीय

# कुलगीत

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।

'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' की प्रतिमा कल्याणी।
'विद्यया विन्दतेऽमृतम्' उपनिषदों की वाणी।।
यह प्रताप की कर्म भूमि के माथे का चन्दन।
मीरा का निष्काम भक्ति से है अटूट बंधन।

श्रीएकलिंगजी, श्रीनाथजी, चारभुजा, बेणेश्वर।
सूफी संतों की धरती ने माना एक ही ईश्वर।।
वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
यहाँ साधनारत प्रतिभाएँ ज्योतिर्मन्त बनें।
राष्ट्र धर्म का स्वर विजयी हो, महिमावन्त बनें।

मुक्त गगन में आदर्शों की पुण्य ध्वजा फहरे।
जन मानस में ज्ञान ज्योति का दिव्य प्रकाश भरे।।
ज्ञानदायिनी मूर्तिमंत महिमा का अभिनन्दन।
युवाशक्ति हो सत्यनिष्ठ संकल्पित अन्तर्मन।।

वीर भूमि के ज्ञान पीठ का सादर शत वन्दन।
शील ज्ञान विज्ञान कर्म, संगम को कोटि नमन।।